kids around the world

KIDStory™

बुनियादी प्रशिक्षण नियमावली

"तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के कामों का वर्णन, पीढ़ी पीढ़ी होता चला जाएगा"
भजन संहिता 145:4

विषय–सूची

पृष्ठ

बाल कहानी प्रशिक्षण निरीक्षण 4–5

सेशन 1
- स्वागत 6
- यीशु बच्चो को आशीष देते है 6–7

सेशन 2: बाईबल की कहानी क्या है/कहानी को सीखना
- विश्व्यपी 8
- बाईबल की कहानी क्या है? 8
- पाठ प्रारूप 9–10
- भिन्नता क्या है/बाईबल कहानी क्यों? 11
- कहानी सीखना 12–16

सेशन 3: कहानी बताना
- परमेश्वर का ढंग 17
- प्ररिदान 18–19
- हाव–भाव शीट 20

सौंपा गया होम वर्क 21

सेशन 4: प्रार्थना समय 22–23

सेशन 5: दोबारा कहानी बताएँ
- खेल 24
- कला, नाटक और संगीत 25

सेशन 6: खोई हुई मेमना 26

सेशन 7: प्रश्नों को खोजे और प्रतिउत्तर दें 27–31
- नमूना प्रश्न 29–30

सेशन 8: अंतिम सौंपा गया कार्य 32–33
- पाठ योजना शीट 33

सेशन 9: समाप्ति और अर्पण 34

परिशिष्ट 35

©Kids Around the World 2015

बाल कहानी प्रशिक्षण निरीक्षण

सेशन #1: स्वागत और यीशु बच्चों को आशीश देता है **पृष्ठ 6**

ज्युल / गहना

कहानी बोर्ड

गेंद

- – स्वागत
- – भागीदारों के लिए निर्देश और आरम्भ
- – कहानी का परिचय बताएँ
- – कहानी बोर्ड के साथ दोबारा बताएँ
- – खेल को दोबारा बताएँ
- – प्रश्न

सेशन #2: बाईबल की कहानी क्या है? **पृष्ठ 8**

वैलकरो

- – यस.यस बनाम कहानी बताने में भिन्नता
- – पाठ प्रारूप
- – कहानी बताना क्या है और क्यों
- – कहानी बताना और पानी पर चलना परिचय
- – कहानी सीखना
- – कहानी कौशलता

सेशन #3: कहानी सुनाना **पृष्ठ 17**

टाईमर

कपड़े

- – परमेश्वर की शैली
- – परिदान

सेशन #4: प्रार्थना समय **पृष्ठ 22**

सेशन #5: दोबारा कहानी को बताएँ **पृष्ठ 24**

टाईमर

रस्सी

कहानी की लाईनो की शीट

रंग

पोस्टर बोर्ड

प्ले डोह

पाईप क्लीनरस

कहानी बोर्ड कहानी

- – विषय का परिचय दें
- – रस्सी/खेल का प्रयोग
- – स्टोरीलाईन खेल
- – अभ्यास के लिए छोटे झुण्डों में बाँटे और भिन्न–भिन्न कहानी बताने के ढंगों का प्रयोग करें।
    - एक गीत लिखें
    - कहानी बोर्ड
    - कठपुतली
    - नाटक/अभिनय
    - पोस्टर
    - नृत्य/मूकाभिनय
    - पाईप क्लीनर/प्ले डोह
    - खेल

सेशन #6: खोया हुआ मेम्ना **पृष्ठ 26**

सेशन #7: प्रश्नों को खोजें और प्रतिउत्तर **पृष्ठ 27**

बीच बाल

- – सिर और दिल
- – प्रतिक्रिया; फोक्स

सेशन #8: अंतिम सौंपा गया कार्य **पृष्ठ 32**

समाप्ति और अर्पण **पृष्ठ 34**

सेशन #1
स्वागत और यीशु बच्चों को आशीष देता है

स्वागतः हम प्रत्येक का यहाँ बाल कहानी प्रशिक्षण में स्वागत करते है। अपने आप का परिचय दें और अगर समूह छोटा है, तो प्रत्येक को अपना परिचय देने दें और यह बताने दें कि वह क्यों प्रशिक्षण में आएं है। वह चाहता है कि प्रत्येक, बच्चे और बालक, व्यक्तिगत उसे जाने। कुछ ही पलों में मैं आपको एक कहानी बताने जा रहा हूँ पर इससे पहले कि मैं बताऊँ, मैं चाहता हूँ कि आप एक मित्र चुनें और उस समय के बारे में उसे बताएँ जब आप बच्चे थे तो आपने स्वागत नहीं किया या प्रेम नहीं किए गए महसूस किया था।

बच्चों को आशीष देने की यीशु की कहानी

आरम्भः भाग लेने वालों को जोड़ो में हो जाने दें और उस समय को बाँटने दे जब उन्होंने स्वागत या प्रेम नहीं किए गए महसूस किया था।

भाग लेने वालों के लिए **दिशा निर्देशों** को देखें (पृष्ठ 37) इस बात को प्रमुखता देते कि कैसे आप चाहते है कि लोग उनकी कल्पना का उपयोग करें और यह दिखावा करें कि वह वहीं पर है जब यह कहानी चल रही है। कौन और किसे वह देखते है? जो हो रहा है कहानी में लोग उसकी कैसे प्रतिक्रिया दें रहे है? क्या वह कुछ समझते है? क्या वह कुछ महसूस करते है? इसके साथ ही, आपकी इच्छा है कि हर कोई भाग ले (अगर आपके पास एक हीरा है, तो आप यह दृष्टान्त देने के लिए इसका प्रयोग कर सकते है कि कहानी में प्रत्येक का अनोखा दृष्टिकोण है जो इसे जीवित होने वाला बनाता है) हम जब हमारे दृष्टिकोण बाँटते है तो हम एक दूसरे से सीखेंगे। आओ हम आज की कहानी में बनें रहें और किसी और बाईबल की कहानी को जिसे हम जानते है उसको बीच में न लाएँ। अभी के लिए केवल सुनें और कल्पना करें–आपको साथ में आपकी बाईबल देखने की आवश्यक्ता नहीं है। अगर आप साथ लाएं है, तो इसे बंद कर सकते है।

परिचयः हम यीशु को सब किस्म के लोगों, यूवा और बुढ़ों के साथ एक समान, मिलते हुए देखते है। वह उन लोगों को मिलता है जिन्हें बेहद पसन्द किया जाता और कुछ उनके साथ भी जिनको ज्यादातर लोग नापन्सद करते है। यीशु लोगों को पीछे चलने के लिए चुनता है। इस कहानी को सुनें और देखें कि कैसे यीशु और उसके चेले एक निश्चित समूह के लोगो के साथ बर्ताव करते है। कहानी बाईबल से है और इसलिए हम जानते है कि यह सच्ची है। (अब आप अपनी बाईबल बन्द कर सकते और इसे एक तरफ रख सकते है जब आप कहानी को बताते है।)

कहानी को बताएँः मरकुस 10:13–16

एक दिन कुछ माता–पिता उनके बच्चों को यीशु के पास लाए ताकि वह उन्हें स्पर्श करें और उन्हें आशीष दें। पर शिष्यों ने माता–पिता को उन्हें परेशान करने के लिए डाँटा।

जब यीशु ने जो हो रहा था उसे देखा, तो वह उसके शिष्यों के साथ क्रोधित हुआ। "बच्चों को मेरे पास आने दो। उन्हें मत रोको! क्योंकि परमेश्वर का राज्य उन्हीं का है जो उन छोटे बच्चों के समान है। मैं तुम्हें सच कहता हूँ, कोई भी जो परमेश्वर के राज्य को एक बच्चे के समान ग्रहण नहीं करता इसमें प्रवेश नहीं कर पाएगा।" तब उसने बच्चों को उसकी गोद में लिया और उनके सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीष दी।

दोबारा बताएँः बालकहानी बोर्ड का प्रयोग करें या इस कहानी को दोबारा बताने के लिए एक खेल को करें

खोज प्रश्नः

- जब यह कहानी बताई जा रही थी तो आप ने कौन सी बात गौर की? किस भावना को इसने उत्पन्न किया?
- आपको कहानी के बारे में क्या पसन्द आया?
- क्या आप कहानी में बच्चों को देख सकते है? उनके चेहरों पर कैसे हाव–भाव है? शिष्यों के साथ होने पर उन्होंने कैसा महसूस किया? यीशु के साथ?
- मैं अचम्भा करता हूँ कि माता–पिता बच्चों को यीशु के पास लाने के द्वारा उससे क्या चाह रहे थे?
- माता–पिता ने क्या चुनाव किएः शिष्यों ने? यीशु ने? बच्चों ने? कौन से अन्य चुनाव वह कर सकते थे?
- कैसे यह कहानी परमेश्वर या यीशु के बारे में बताती है?
- आप समुदाय में अन्य लोग किन ढंगो में बच्चों के प्रति शिष्यों जैसा कार्य करते है? कलीसिया इस ढंग में उनके साथ कैसे बर्ताव करती है?
- किन ढंगो में हमारी कलीसियाएँ यीशु के पास बच्चों को आने से रोकती है?
- कैसे मैं बच्चों को यीशु के पास आने से रोकता हूँ?

प्रतिक्रिया प्रश्नः

- यह कहानी आपको बच्चों के प्रति परमेश्वर की राय के बारे में क्या बताती है?
- जो आज आपने सुना और देखा है उसके कारण परमेश्वर आपको किस लिए बुला रहा है?
- जो आप ने कहानी से और हमारी चर्चा में से सुना है उसके कारण आप क्या महसूस करते कि पवित्र आत्मा आप से कह रहा है?

सेशन #2
बाईबल कहानी क्या है?/कहानी सीखना

सेशन में भाग लेने वालों की उन भिन्नताओं को बाँटने देने के द्वारा आरम्भ करें जो उन्होंने देखी कि कैसे बाईबल कहानी ने पाठ को सिखाया बनाम कैसे एक प्राचीन संडे स्कूल में यह किया जाता है।

बाईबल की कहानी क्या है?

बाईबल कहानी बताना कहानी सुनानी से कुछ ज्यादा है? यह एक सीखने के वातावरण को उत्पन्न करना है जो आत्मा को लोगो के दिलों में कार्य करने की अनुमति देता है ताकि वह व्यक्तिगत परमेश्वर को जान सकें, उसके पीछे चलने का क्या अर्थ है इसे समझ सकें, उसके वचन को सीख सकें ताकि कहानी बार–बार बताई जा सकें। बाल कहानी आप जैसों को जो, बच्चों तक पहुँचना चाहते और यीशु मसीह के लिए उन्हें शिष्य बनाना चाहते वह प्रशिक्षण देना है। (परमेश्वर और उसके मार्गो को उसकी कहानी सुनाने के द्वारा साथ में आपसी सपर्क के अनुभवों और वार्तालाप के द्वारा जानना।)

विश्व्यापी

चाहे कि आप संसार में कहीं भी जाएँ, यहाँ पर कुछ बातें है जो प्रत्येक के साथ हर जगह सच है। चाहे कि आप किसी भी संस्कृति में है, यहँ पर कुछ विश्वव्यापी बातें है जो सभी लोगों के लिए सच होती है चाहे वह किसी भी उम्र के क्यों ना हो। आप देखेंगे कि कैसे यह बातें महत्वपूर्ण बन जाएँगी जब हम बच्चों को परमेश्वर का वचन सिखाते है। इन बातों में शामिल हैः

- **परिवार/संबंद**
- **संगीत**
- **खेल/मनोरंजक**
- **कला (कलाकारी, नाटक, नृत्य)**
- **कहानियाँ**

हम चाहते है कि परमेश्वर आपकी कहानी में सुन्दरता को लाए पर परमेश्वर के बिना हमारी कहानी आप के लिए बहुत छोटी है। और परमेश्वर को हमारी छोटी कहानी में सिकुड़ने के लिए कहें वह परमेश्वर के समय और आपके समय के योग्य नहीं है। पर अगर आप आपकी परमेश्वर की कहानी में कदम बढ़ाते है–आपके जीवन के लिए उसके वर्णन में कदम बढ़ाते है–आप एक महान वर्णन में कदम बढ़ाते है–आप एक महान कहानी में आएँगे एक कहानी जहाँ पर सुन्दरता सदैव दुखद घटना से आती है। एरविन मैकमुनस

पाठ प्रारूप

एक प्राचीन पाठ किस तरह दिखाई देता है? आओ हम देखें कि कैसे हमने यीशु की बच्चों को आशीष देने की कहानी बताई थी।

- **आरम्भः** यह लोगों का एक दूसरे के साथ शामिल होने और व्यकितगत कहानियाँ बताने के लिए आरम्भ का समय है। यह एक प्रश्न या क्रिया हो सकती है जो सीधा कहानी के साथ ना संबंधित हो पर उस दिशा में लोगों का रूझान आरम्भ करेंगे। मैं चाहता हूँ कि आप के पास जो व्यक्ति बैठा है उसे वह समय बताएँ जब आप ने बचपन में स्वागत या प्रेम ना किए गए महसूस किया था। तब यहाँ पर...

- **परिचयः** यह हर किसी को **परमेश्वर की कहानी के लिए तैयार** करना है। क्या यहाँ पर कोई पूर्व कहानी वाक्य है जो आप ने लोगो को कहानी के लिए तैयार करने के लिए सोचा हुआ है? क्या यहाँ पर कहानी के अच्छी तरह समझने के लिए कोई पृष्ठभूमि सूचना या पिछले कहानी से इस कहानी के बीच कोई परिवर्तन है? आज सुबह कहानी में मैंने आपको बताया कि चेले कौन थे और आपसे कहा कि सुनें कि कैसे यीशु और शिष्यों ने एक निश्चित लोगों के समूह के साथ बर्ताव किया था। अब समय है...

  अगर समूह को आरम्भ और परिचय के बीच में फर्क करने में मुश्किल होती है तो पृष्ठ 10 पर अभ्यास में जाएँ। वाक्य को पढ़ने के बाद, उनको यह बताने कि आवश्यक्ता है कि यह कौन सा है।

- **कहानी को बताएः** श्रोताओं को यह बताना कि कहानी बाईबल से है और यह सत्य है। लोगों को इस समय अपनी बाईबल बन्द रखनी चाहिए और कहानी और कहानी सुनाने वाले पर ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए। तब आप पुनः कहानी को बताना चाह सकते है।

- **दोबारा बताएँः** यह महत्वपूर्ण है कि लोग किसी भी स्पष्टीकरण और बाईबल यर्थाथता के लिए दोबारा बताएँ। एक ढंग यह कि भाग लेने वाले उनकी बाईबलों को खोलें और पवित्र वचनों से कहानी को दोबारा पढ़ें। कोई कहानी पढ़ सकता है या अगुवा क्रमअनुसार प्रश्न पूछ सकता है जो प्रत्येक वचन को देखने द्वारा उत्तर दे सकता है। आप भाग लेने वालों को व्यस्त रखने के लिए व्यक्तिगत या एक समूह में अन्य क्रियाओं का भी उपयोग कर सकते है। बच्चों की आशीष देने की यीशु की कहानी में, हम ने फलैनल स्टोरीबोर्ड के साथ कहानी को दोबारा बताया था। आप एक गेम, एक गाना या कला सरगर्मी का प्रयोग अवश्य कर सकते है। आप हमारे साथ इन बातों में से कुछ का अनुभव करेंगे।

- **प्रश्न खोजे और प्रतिक्रिया देंः** प्रश्न पूछना और कहानी के विषय में बात करने के लिए उपस्थित रहना सीखने की प्रक्रिया में नाजुक है। हम एक कहानी को वास्तविक दिल के स्तर पर महसूस की बात किए बिना सिखाने के आदी है। एक अगुवे को समूह को तथ्यों को याद रखने से आगे परमेश्वर आपके जीवन और दिल में क्या कर रहा है, ले जाना चाहिए। इस प्रतिक्रिया में एक या दो प्रश्न होने चाहिए जहां आप के समूह के हर एक सदस्य से पवित्र आत्मा बात करें, के लिए की प्रार्थना कर रहे है। ज्यादातर पाठ्क्रम में एक लागू करने की प्रक्रिया है जिसकी तरफ पाठ ले जा रहा है। हम चाहते है कि आत्मा हरेक व्यक्ति को उस रूकावट के बारे बोले जो उनके लिए होगी। समूह के सदस्यों की अलग–अलग प्रतिक्रिया होना असामान्य नहीं होगा। यह अच्छा है। आने वाले सप्ताहों में पैरवी करके देखे कि कैसे हर एक व्यक्ति परमेश्वर की बात की आज्ञाकारी करता है।

आरम्भ बनाम परिचय विवरण

नीचे दिए अलग–अलग विवरणों को बेतरतीब पढ़े और हिस्सा लेने वाले आपको बताएँ कि विवरण एक आरम्भ है या एक परिचय।

आरम्भ	परिचय
• क्या आप कभी गुम हो चुके हो?	• यहूदी लोग सामरी को पसंद नहीं करते थे।
• किस समय आप ने सहायता के लिए किसी पर भरोसा किया था?	• दुष्टान्त एक कहानी है जो यीशु ने पाठ सिखाने के लिए बताया।
• वह कौन सी वस्तु है जिसके गुम हो जाने से वास्तव में आप दुखी होंगे?	• कोढ़ ऐसा रोग है जो आज चंगा हो सकता है। परन्तु जब यीशु पृथ्वी पर थे, लोग इस प्रकार के रोगी के पास जाने से डरते थे। यदि आप को होता तो आपको दूसरों से अलग रहना पड़ता।
• हमें वह समय बताएँ जब वास्तव में आप डरे थे।	• कहानी से पहले हम यीशु को 5000 को भोजन खिलाते पाते है।
• यदि आपको संसार में कहीं जाना पड़े, आप कहाँ जाएँगे	

इस में क्या अंतर है:

बाईबल कहानी बाईबल के साथ शुरू करें और पवित्र आत्मा को अनुमति दे कि वह अध्यापक हो। अगुवे का काम सहूलत देना है वह अध्यापक नहीं है। इसका क्या अर्थ है? हम...

- **खोजना और अनुभव बनाम व्याख्या करना:** अगुवा बाईबल में भाग लेने जाने वालों की सहायता करता है और कहानी में और भाग का क्या अर्थ है उसे सिखाने या व्याख्या के लिए नहीं है।
- **सहूलत देना बनाम सिखाना:** जो छोटे झुण्डो के अगुवें है उनके लिए यह कठिन हो सकता है। हरेक वस्तु बातचीत के होने और प्रश्नों के उत्तर के लिए कहानी में वापिस लाई जाती है।
- **सुनना बनाम बोलना:** एक अगुवा होते हुए, आप को पवित्र आत्मा और भाग लेने वालों की सुनने के स्थान पर होना चाहिए और उत्तर देने के लिए उतावले नहीं।
- **कहानी बनाम उपदेश:** कहानियाँ एक दूसरे को प्रभावित करती है जब कि उपदेश एक तरफ से वार्तालाप है।

बाईबल कहानियाँ क्यों?

हम बच्चों को सिखाने के लिए बाईबल कहानी का प्रयोग करते है।

- संसार में 2/3 लोग पढ़ते नहीं है। वह कहानियों के माध्यम से सीखते है
- यीशु ने हमेश कहानियों/दृष्टान्तों में सिखाया है (मत्ती 13:34)।
- 75: से ज़्यादा बाईबल कहानियों में लिखी गई है
- परमेश्वर का वचन मेरे वचनों से ज्यादा सामर्थी है।
- परमेश्वर का वचन पवित्र आत्मा के द्वारा लोगो के जीवनों को बदलता है।
- सारे संसार के लोग कहानियाँ पसंद करते है। आप इसका प्रयोग कहीं भी किसी के साथ भी कर सकते है।
- लोग परमेश्वर का वचन जान रहे है और उसके साथ ज्यादा सुनिश्चित हो रहे है।
- बच्चें दूसरों को जो उसे जान नहीं सकते परमेश्वर की कहानी बता सकते है।

यीशु और पतरस की पानी पर चलने की कहानी (मत्ती 14:22–33)

आओं मिलकर एक पाठ की तैयारी करें: **हिस्सा लेने वाले लोगों को 3–4 समूहों में बाँट लें। इन समूहों में मत्ती 14:22–33 से यीशु और पतरस की पानी पर चलने वाली कहानी पढ़ने को कहें। अपने समूहों में जाने से पहले ज़रूर उनको कहानी सुनाए।**

इसे पढ़ने के बाद, उन्हें परिचय और एक आरम्भ के साथ आने दे।

कहानी को सीखना

अब कहानी सीखने का समय है। ध्यान दे, यह कहानी सुनाने के लिए है, केवल वास्तविक्ता याद रखने के लिए नहीं है। जब आप घर वापस आते है और लोगों को अपना अनुभव बताते है क्या आप वह सब कुछ जो बताना चाहते है उसे सोच और याद कर रहें हैं? नहीं! आप उन लोगों और घटनाओं को याद कर रहें है जिन्होने आप पर प्रभाव डाला है। परमेश्वर की कहानी में यह क्यों अलग होगा? हम उसकी कहानियाँ उत्सुकता और भावपूर्ण ढंग से अपने सुनने वालो को सुनाना चाहते है। हम बच्चों को कहानी में केवल इस लिए ही नहीं लाते कि वह परमेश्वर को देखें कि वह काम कैसे करता है, परन्तु हम चाहते है कि वह दूसरों को भी बताने के योग्य हो जाएँ।

पहले हमें अपने आप को तैयार करने की ज़रूरत है...

अपने दिल को तैयार करे

क्या आपका दिल पवित्र आत्मा की सुनने और प्रतिक्रिया देने की अवस्था में है? यदि नहीं तो इसके लिए क्या लेना होगा?

- **प्रार्थनाः** क्या आप परमेश्वर को बात करने की अनुमति देते है जैसे आप उससे बात करते है?

- **कहानी को पढ़ेः** यदि संभव हो तो आप कहानी को अलग–अलग अनुवाद में पढ़ना चाहेंगे। परमेश्वर आप को क्या प्रगट कर रहा है? कहानी में आप किस से संबधित है? याद रखें, पवित्र आत्मा यहीं आपको दिखा रहा है जब आप अपने दिल को तैयार करते है। पवित्र आत्मा समूह के लोगों को जिनको आप कहानी सुना रहे है अलग रीति से बोल सकता है।

- **स्वरूपः** जो वचन सिखाना है उसके बारे में सोचे। आत्मा आप पर क्या प्रगट कर रहा है? भाग लेने वालों को क्या सुनना और सीखना है? वहाँ होने की कल्पना करें–आप क्या सुनने, सुंघते और देखते यह किस तरह का महसूस होता है? अलग चरित्र कौन है और प्ररिस्थिति पर उसका क्या स्वरूप है? परमेश्वर का क्या स्वरूप है? कौन? क्या? कब? कहाँ? कैसे? इस प्रकार के प्रश्नों के उत्तर दे। शरीरिक रूप से अपने आपको वहाँ रखे और तीसरे स्थान के व्यक्ति के रूप में कहानी बताएँ।

कहानी के टुकड़े करें

तो कौन से कुछ ढंग है जो आपको कहानी याद रखने में सहायता करेंगे? यह अच्छा है यदि इसके 4 या ज़्यादा से ज़्यादा 5, "अध्ययों" या दृश्यों में टुकड़े कर दे। जैसे आप हर दृश्य या प्ररिस्थिती को मन में बिठाते है, फिर आप कहानी के विवरण को भर सकते है।

यह **महत्वपूर्ण** है आप कहानी को जैसे बाईबल में है वैसे ही बताएँ। इसे बाईबल के आधार पर स्पष्ट होना चाहिए। इसका अर्थ हमें अपने शब्द या व्याख्या को कहानी में शामिल नहीं करना है। इसे यादगार बनाए ताकि श्रोतागण कहानी में जुड़ जाएँ, परन्तु इसे परमेश्वर के वचन की सच्चाई पर बनाए रखें हमारे अपने पर नही। अंत में, हम चाहते है कि हर एक इसे अच्छे ढंग से सीख जाए ताकि वह दोबारा किसी दूसरे को सुना सकें।

कहानी को सीखने के कुछ मार्ग है। कहानी को सीखने का कोई सही या गलत मार्ग नहीं है। आप उसी मार्ग को खोजे जो आप के लिए उत्तम कार्यकरता है।

- **पढ़े और बताएः** कहानी को पढ़े, अपनी बाईबल बंद करे और ऊँची आवाज में कहानी सुनाएँ। कहानी को पढ़े और देखें कि आप कितने स्पष्ट थे! इसे कई बार करें।
- **घटानाओं की सूची बनाए**
- **माईडमैपस्** (पृष्ठ 14)
- **कहानी रेखा चित्र** (पृष्ठ 15)
- **कमरे के सही स्थानः** कमरे में चारों ओर घूमकर बाईबल के पात्र या अलग–अलग दृश्यों की गतिविधियों का वर्णन करें। दृश्य में अपने को भौतिक स्थान पर रखकर इसे बताएँ।
- **हाथ का संकेतः** अपने हाथों से संसार गोल है दिखाएँ।
- **मुख्य शब्दः** हर एक भाग या दृश्य के लिए
- **दिखानाः** यू–ट्यूब वीडीयों, खुला स्टोरीबोर्ड, बच्चों की कहानी की किताबे, मैगज़ीन

यह केवल कहानी के शब्दों तक नहीं है। परन्तु इसके इलावा आपके दिमाग में बनी तस्वीरों के द्वारा कहानी बताएँ यह काम करती है।

एक प्रशिक्षक वाले के रूप में, आप उस माध्यम को जिसमे आपको कहानी अच्छे तरीके से याद रह सके चुन सकेंगे। जिन को आप सिखाएगें उनकी सहायता करना महत्वपूर्ण है कि वह साधनों का प्रयोग अच्छे के लिए करें और उत्साहित करें कि जितनी वह अगुवाई कर रहे है उन्हें बताएँ। उन साधनों के देखना भी महत्वपूर्ण है जिनको आप कहानी बताने के लिए प्रयोग कर रहें है, यह जानते हुए कि कुछ आप के लिए और आरामदायक और आसान होंगे। हिस्सा लेने वालों को अनुमति दे कि वह उन साधनों को खोजे जो उनके लिए अच्छे है। यह भी सत्य है कि आपने बच्चो को कैसे दोबारा कहानी बताई है। अलग–अलग नियमों को प्रयोग करके बच्चों को सीखने के अलग–अलग ढंग सिखाना याद रखे।

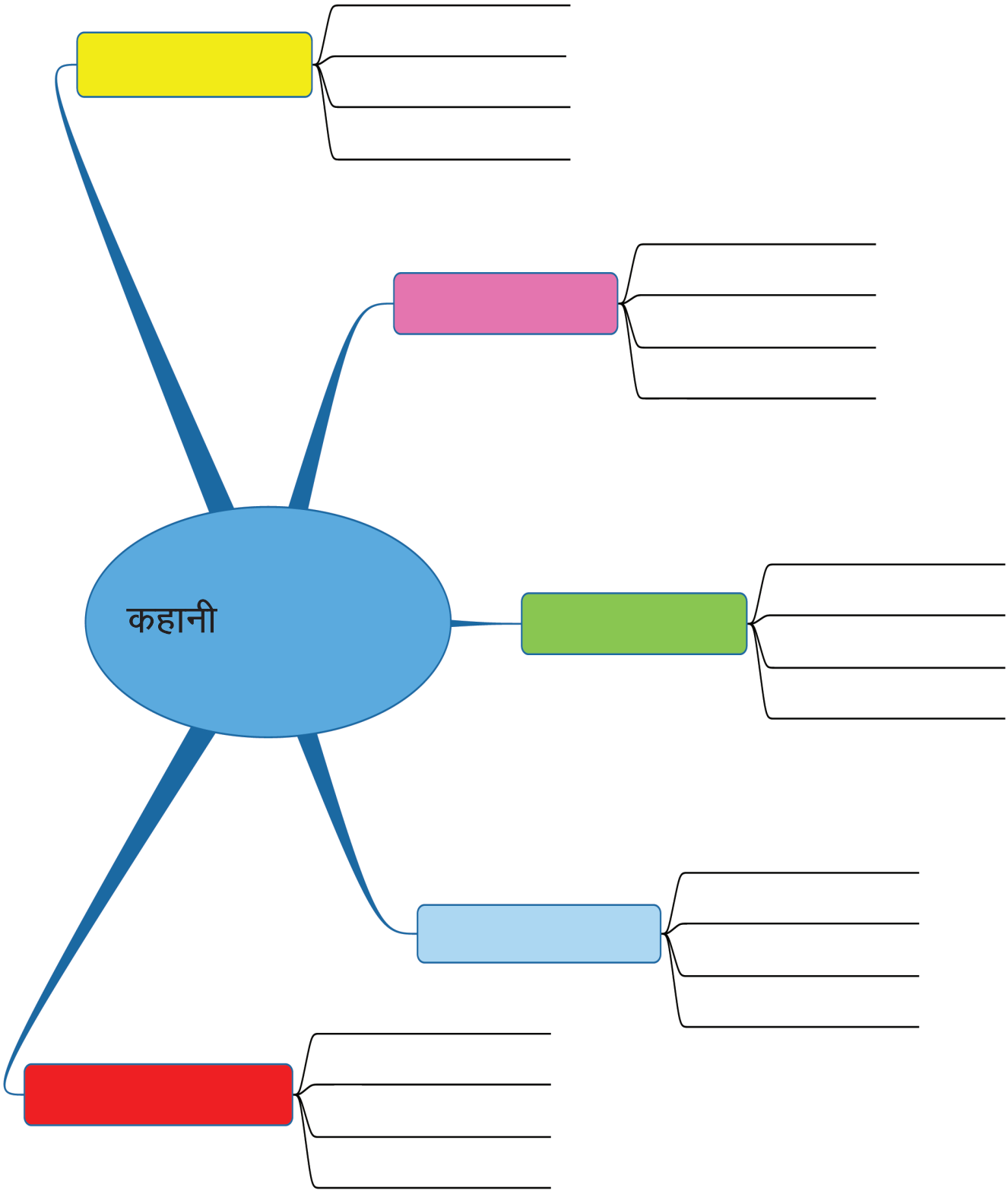
कहानी

कहानी रेखाचित्र बनाना

बाईबल की कहानी _____

बाईबल का वचन _____

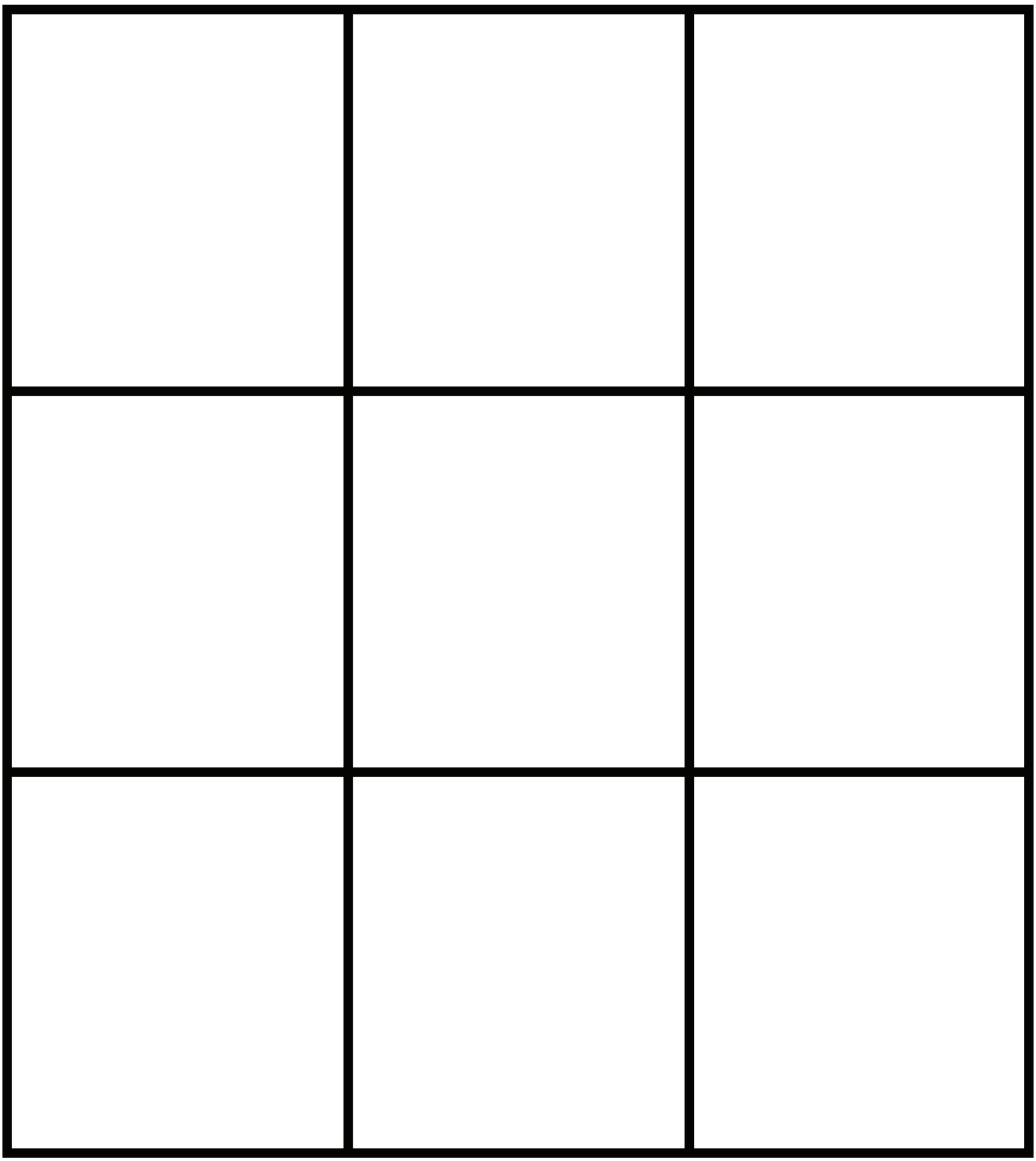

कहानी को शिल्प कला में बनाना

किसी वस्तु को लेकर उसे योग्य और अर्थपूर्ण बनाना शिल्प कला है। यह विस्तार विवरण को ध्यान में रखकर कुशलता से होता है। जब हम बाईबल की कहानी में एक कहानी को क्राफ्ट बनाते है, तो आयत को केवल याद ही नहीं किया जाता परन्तु नीचे दी बातों को ध्यान में रखकर बताई जाती हैः

- **ज्ञान के साथः** बाईबल के लेखकों ने इसे सुनने वाले लोग जिस संस्कृति में है उसे ध्यान में रखकर बताया और लिखा है। उदः भले सामरी के दृष्टान्त में, यहूदी सामरीयों को पंसद नहीं करते के बारे सब जानते है। वह जानते थे परन्तु हम नहीं। परिचय में इस जानकारी को बताने की आवश्यकता हो सकती है। सदि संभव हो, दूसरे हवालों का इस्तेमाल अपनी बात का समर्थन करें।

- **आयु अनुकूलताः** क्या कहानी में कुछ ऐसे शब्द या संकल्प है जिन्हें बच्चे बिना उदाहरण के नहीं समझेंगे? उसकी जगह एक शब्द रखना बढ़िया होगा जो बच्चें समझ लेंगे परन्तु कहानी स्पष्ट बाईबल अधारित रखें या इसे परिचय में बताएँ।

- **क्या आवश्यक नहीं हो सकताः** कुछ विवरण कहानी को दलदल में गिरा देते है और लोगों के जानने के लिए जो महत्वपूर्ण है उसे वो खो देंगे। एक कहानी में उदाहरणों के नाम, गिनती और स्थान वह याद रखना मुश्किल नहीं है परन्तु हिस्सा लेने वालों का ध्यान हट जाएगा।

- **आरम्भ और समाप्ति का विवरणः** चित्र के पीछे के दृश्य की क्या जानकारी चाहिएः क्या पिछली कहानियों से एक परिवर्तन चाहिए?

- **संस्कृति असन्तोषः** कहानी में उन चीज़ों का ध्यान रखे जो हिस्सा लेने वालों को नाराज़ कर सकती है। (यीशु अकेला कुएँ पर स्त्री के साथ)।

हरेक व्यक्ति कहानी को सीखने के लिए 10 मिनट काम करें। उनको दो–दो या छोटे झुण्डों में जानकारी प्राप्त करने दे ताकि हर एक को कहानी बताने का मौका मिले। कहानी को आनन्द से बताने के महत्व पर ज़ोर दे और यह नहीं कि शब्द दर शब्द सही बताई जाती है।

सेशन #3
कहानी बताना

परमेश्वर का ढंग

आओ कहानी को बताने के ढंग में कुछ चीजे जोड़कर जीवित बताए और बच्चों को बाईबल कहानी में लाएँ। याद रखें जो बाईबल कहती है हम उस स्पष्टता में बने रहें और अपने आप से कुछ ना जोड़े। आए पहले कुछ सिद्धान्तों को देखें जिनमें परमेश्वर ने अपनी कहानियाँ कैसे बताई है। उसने इन्हें रचा इसलिए वह....

- **यादगार:** परमेश्वर इस ढंग से अपना वचन बताता है ताकि आप भूल न जाएँ; वह हमें कहानी के अनुभव की अनुमति देते है। कुछ उदाहरणः इन्द्र धनुष जिसे बाढ़ के बाद परमेश्वर ने आसमान में रख दिया और थोमा का यीशु के हाथो में छेदों को देखना।

- **अनपेक्षित:** कई बार संदेश **अनपेक्षित** ढंग में आता है। कुछ उदाहरणें: बालाम और गधी, मूसा और जलती हुई झाड़ी, शाऊल का अन्धा हो जाना, बाईबल में अलग–अलग चंगाईया (नामान, लंगड़ा और अंधा व्यक्ति) जहाँ हम इकट्ठे होते है उस स्थान के अनुसार हम वातावरण को बदल सकते है जैसे बैठने का इंतज़ार या रोशनी/अंधकार के साथ दुश्य बनाना।

- **बहु–संवेदक:** अपनी कहानी को यादगार बनाने के लिए परमेश्वर ने विवेक बुद्धि का प्रयोग किया है; हम जितना ज्यादा विवेक बुद्धि और क्रियाओं का प्रयोग करते है, उतना ज़्यादा हमें याद रखना है।

    - **दिखाना:** हम विशेषकर देखने वाले लोग है और इसलिए इन चीज़ों का होना सहायक होगा जिनसे लोग कहानी को देख सकते है।

        - **उद्देश्य:**

हर एक झुण्ड को अलग–अलग संरचना दे और यह किस प्रकार यीशु और पतरस के पानी पर चलने की कहानी में प्रयोग की जा सकती है उन्हें रूप देने दीजिए।

- **किडस स्टोरी बोर्ड** (हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे)

- **वस्त्र**

- **छूना:** उदाहरणः पास रखने वाली वस्तुए या दूसरों को आगे देने वाली, बच्चों पर पानी के छीटे मारना।
- **सुनना:** उदाहरणः ध्वनि प्रभाव; वर्षा की अवाज बनाने के लिए हाथ रगड़ना।
- **सूंघना:** उदाहरणः धूप जलाना, मछली दिखाने के लिए परन्तु महक भी।
- **चखना:** उदाहरणः चखने के लिए भोजन (मन्ना)

- **इसे जीएँ:** यीशु इसे अपने चेलों के साथ जिया उसने केवल उन्हें सिखाया नहीं परन्तु वह उनके लिए नमूना बना। उसने अपने को ऊँचा नहीं किया परन्तु उनकी सेवा की है। हम कैसे कर सकते है? बहुत बार केवल हमारी क्रियाएँ और स्वभाव बच्चों को यह समझने में सहायता करेगा कि यीशु कौन था और बाईबल की कहानियों में उसने लोगो को कैसा जवाब दिया।

लोगों के साथ उनके छोटे झुण्डों में, उनको 3 मिनट दें जो बाईबल की बहुत सारी कहानियों जितनी उनसे हो सकती है के साथ आएँ जो भिन्न विवेक बुद्धि से प्रयोग की जा सकती है।

कहानी को बताने के भिन्न तरीके

- **पहला व्यक्तिः** जैसे आप कहानी के पातरों में एक थे।
- **तीसरा व्यक्तिः** जैसे कहानी बताने वाला
- **कला सामर्गी:** पेपर, रंग, मार्कर
- **वस्तुएँ:** कपड़े, स्प्रे बोतल
- **नाटक**
- **हाथ की गति**
- **श्रोतागणों की भागीदारी**
- **जब दूसरा व्यक्ति इसको करके दिखाए तो कोई कहानी को पढ़े**

परिदानः

- **हलचलः** अपनी कुर्सी पर चिपके न रहे। चारों तरफ घूमना ठीक है खासकर यदि कहानी एक स्थान से दूसरे में घूमती है।

- **चेहरे के हाव–भावः** आपके चेहरे के हाव–भाव कहानी को विश्वास योग्य बनाते है; यदि आपके चेहरे के हाव–भाव है तो आपको ज्यादा करने की आवश्यक्ता नहीं है। **हिस्सा लेने वालों को अपने साथी की ओर मुड़ेने दे। चेहरे के हाव–भाव का प्रयोग करके अगले पृष्ठ पर जाए, एक व्यक्ति चेहरे की 5 हाव–भावों को ले जो दूसरे को बनाने की आवश्यक्ता है। फिर दूसरे को इसे करने दे। एक व्यक्ति चेहरे पर हाव–भाव बनाए और दूसरा अंदाजा लगाए कि यह क्या है।**

- **श्रोतागणों की हिस्सेदारीः** कई बार कुछ बच्चों को या सब बच्चों को कहानी सुनाने में शामिल करने में आनन्द आता है। यह उनके साथ हो सकता है।

    - **शब्दों/मुहावरों का दुबारा घटित होना जिसकों हिस्सा लेने वाला बोल या उत्तर दे सकें।**
    - **हाथ और शरीर की गति**
    - **ध्वनि प्रभाव**
    - **गीत**
    - **क्रियाशील हिस्सेदारीः** सारी कहानी या कहानी के भिन्न भागों को करके दिखाए।

- **आवाज़ः** आवाज़ कहानी को जीवित बनाती है। एक कक्षा या झुण्ड में क्या उबाऊ होता है–#1 उत्तर है एक स्वर आवाज। इनका प्रदर्शन करें:

    - **उच्चारण के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिन्ह**

    - **स्वर**

    - **विरामः** यह कहानी और वार्तालाप में बहुत प्रभावशाली हो सकते है। खामोशी से मत डरो। यह पवित्र आत्मा को शांति/खोमोशी में कार्य करने की अनुमति देती है जो कहानी और कठिन परिस्थिति में दिमाग से दिल में जाने में सहायता करती है।

    - **गतिक्रमः** उस गतिक्रम में बात करे जो बच्चों को कहानी की पंक्तियों के अनुसार करने में आसान हो।

दो–दो या छोटे झुण्ड बनाए और हर एक व्यक्ति यीशु और पतरस की पानी के ऊपर चलने वाली कहानी सुनाएँ, परन्तु इस बार कहानी बताने की कुछ तकनीक जोड़कर। यह आवश्यक है कि जो बाईबल कहती है लोग सत्य में बने रहे अपने विचारों या तात्पर्य को मत जोड़े।

एक व्यक्ति को ले जो अवकाश से पहले और बाद कहानी को बताएँ।

भरोसा

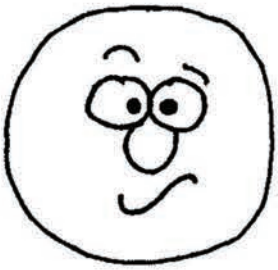

घबराया हुआ

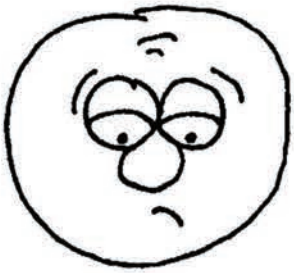

दोशपूर्ण

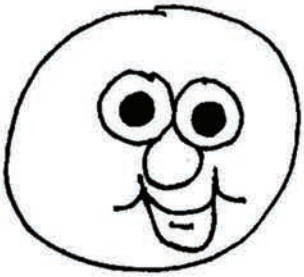

आनंद

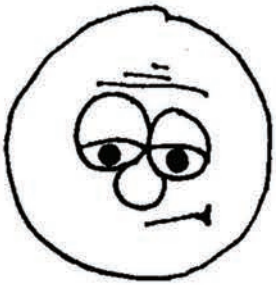

निराष

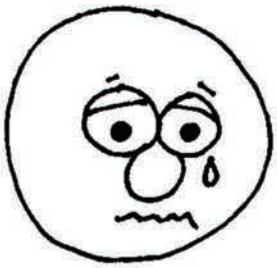

दुखी

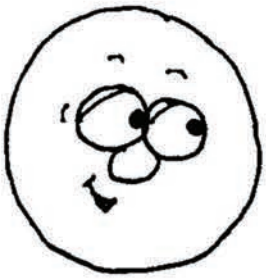

आष से भरा

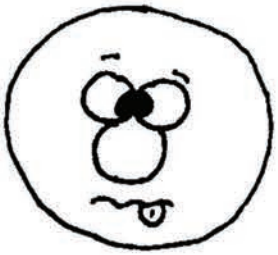

संपूर्ण

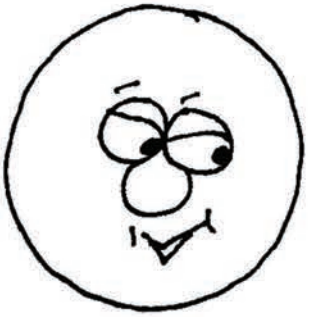

शरारती

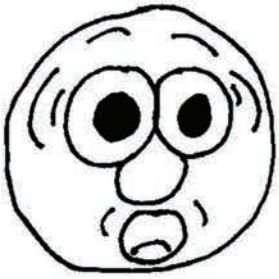

डरा हुआ

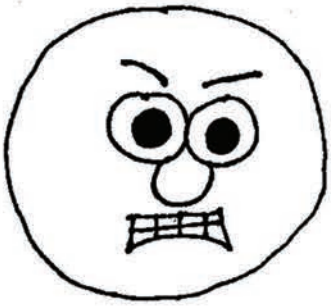

क्रोधी

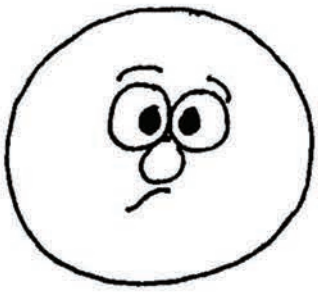

अकेला

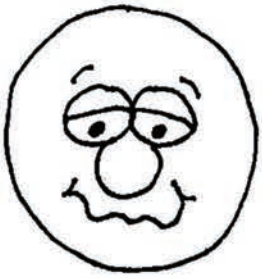

प्रेम में

व्याकुल

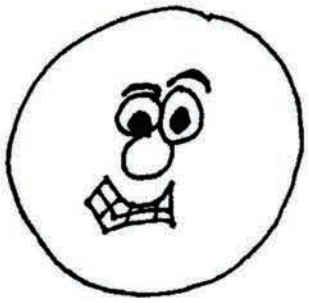

ईश्यालू

सौंपा गया होम वर्क

यह एक करने वाला काम है जिसे कि अगले शिक्षा के सैशन में पूरा करने की आवश्यक्ता है। लूका 15:1–7 में खोई हुई भेड़ की कहानी पढ़े। यह बहुत बार विभिन्न अनुवादों में पढ़ी जानी चाहिए। यदि संभव हो तो कार्यशाला में आने से पहले किसी को कहानी बताने की कोशिश करें।

बाईबल की कहानी खोई हुई भेड़ की उदाहरण (लूका 15:1–7)

चुंगी लेने वाले और पापी, यीशु की सुनने के लिए उसके चारों ओर इकट्ठा थे। तब फरीसी और मूसा की व्यवस्था के सिखाने वालों ने कुड़कुड़ाना शुरू कर दिया कि, "यह मनुष्य पापियों का मित्र है, यह उनके साथ खाता है।"

फिर यीशु ने उनको यह कहानी बताईः

यदि तुम में से किसी के पास सौ भेड़े है और उनमें से एक खो जाए तो तुम क्या करोंगे? क्या तुम निन्यानवे को जंगल में छोड़कर उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए ना खोजोगे? और जब मिल जाती है, तब बड़े आनन्द से उसे कंधे पर उठा कर तुम घर लेकर आओगे। फिर तुम अपने मित्रों और पड़ोसियों को बुलाकर कहोगे, "मेरे साथ आनन्द मनाओं! मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई है।"

यीशु ने कहा, "इसी रीति से एक मन फिराने वाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनन्द होगा। जितना कि निन्यानवें ऐसे धर्मियों के विषय में नहीं होता, जिन्हें मन फिराने की आवश्यक्ता नहीं।"

कहानी बताएः आप किस बढ़िया ढंग से इस कहानी को याद रखोगे? कहानी सुनाने का कौन सा अभ्यास इसमें जोड़ेगे जिसमें कहानी जीवित रहे और बच्चों को कहानी में लेकर आए?

सेशन #4
भक्तिमयः इसे यीशु की तरह करे मरकुस 6:7–13

भाग लेने वालों को अभिनंदन करे और यदि समय हो तो कल के अनुभव से कुछ फीडबैक लें। अपने दिन के आरम्भ से पहले, में चाहता हूँ कि आपके साथ एक ओर कहानी करूं और यीशु के सेवक होते हुए हम वह देखे जो यीशु हमसे चाहता है।

आरम्भः (अपने साथी की ओर मुड़े और सुनाए)

एक समय जब परमेश्वर ने आपका शक्तिशाली ढंग के साथ इस्तेमाल किया।

या

एक समय जब आप निराश थे क्योंकि आप कुछ करना चाहते थे परन्तु वह सब उपकरण जो आपने सोचे थे और जो आवश्यक थे, आप के पास नहीं थे।

परिचयः

यीशु पूरे देश में चंगाई और शिक्षा देने का काम कर रहा है। वह अपने शहर नासरत को वापस आता है और पाता है कि लोग उसे परमेश्वर का पुत्र करके कम विश्वास करते है। इसके कारण वह वहाँ पर उसमें थोड़े से बीमारों को चंगा कर सका। यही से हम अपनी कहानी मरकुस की पुस्तक से आरम्भ करेंगे।

कहानी बताएँः

यीशु ने अपने बारह चेलों को अपने पास इकट्ठे बुलाया उन्हें दो–दो करके भेजने लगा। उसने उन्हे अशुद्ध आत्माओं निकालने और बैरी से निपटने की शक्ति और अधिकार दिया। यह आज्ञाएँ यीशु ने उन्हें दी थीः अपने साथ कुछ न लेना–न फालतू रोटी, न कपड़े या पैसा। तुम अपने साथ मार्ग के लिए लाठी, पांव में जूते और जो कपड़ा पहला है, ले सकते हो।

“जहाँ कहीं तुम जाओ,” यीशु ने कहा, “नगर को छोड़ने तक उसी घर में ठहरो। यदि किसी स्थान के लोग तुम्हें ग्रहण न करें और तुम्हारी न सुने, वहाँ से चलते ही अपनी पांवों की धूड़ झाड़ डालों कि उन पर गवाही हो।”

तो चेले ने बाहर जाकर प्रचार किया कि उनके पापों से मन फिराओ। यदि वह परमेश्वर की ओर फिरों तो उनका जीवन भिन्न हो सकेगा। और उन्होंने बहुत सी दुष्टआत्माओं को निकाला और बहुत से बीमारों को जैतुन का तेल मलकर चंगा किया।

दोबारा बताएँ:

"विरूम" गतिविधी करने के लिए रस्सी/तार ले और जब रस्सी आगे सौंपी जाए और आप को रूको बोलना है, तब वह व्यक्ति जिसने सिरा पकड़ा है, वह कहानी का अगला हिस्सा बताएँ।

खोज प्रश्न:

- आपको कहानी में क्या पसंद आया?
- क्या कहानी में कुछ ऐसा था जो आपने पहले कभी नहीं सुना?
- चेले को क्या नहीं ले जाने की अनुमति नहीं थी?
- उनके पास क्या था?
- जो कहानी में हुआ किस बात से आप हैरान किया?
- आप किस पर निर्भर हो/सोचते हो कि आपके पास हो अगर आपको परमेश्वर का काम करना है?
- यह कहानी कैसे आपको खींचती है कि कैसे परमेश्वर आपको अपनी सेवकाई के लिए चाहता है?

जवाब देने वाले प्रश्न:

- जब आपने इस कहानी को सुना है, तो पवित्र आत्मा आपसे क्या कह रहा है?
- किस क्षेत्र में परमेश्वर चाहता है कि आप अपने पर नही उस पर निर्भर हो?

सेशन #5
दोबारा कहानी बताएँ

यह आवश्यक है कि लोग अब बाईबल की स्पष्टता और सफाई के लिए कहानी को फिर बताएँ। एक मार्ग यह है कि यदि हिस्सा लेने वालों के पास बाईबल है तो उन्हें इसे खोलकर फिर कहानी पढ़ने के लिए बोलें। कोई भी कहानी पढ़ सकता है या अगुवा सिलसिलेवार प्रश्न पूछे जिस में हर कोई वचन देखकर उत्तर दे। यह बच्चों का ध्यान कहानी में लाने में समूहिक क्रियाओं में सहायक हो सकता है। यह कहानी याद रखने में भी उनकी सहायता करेगा ताकि वह दूसरों को बता सकते है।

किसे याद है कि क्या विश्वव्यापी है जो हर एक संस्कृति में उत्पन्न होता है? (अपनी वस्तुए खेल–कूद, संगीत कक्षाएँ और कहानियाँ) हम फिर से बताने में इनका प्रयोग कर सकते है। विशेषकर बच्चों के लिए खेलकूद उनकी सहायता करता है कि वह उस पर ध्यान दे जो आप कर रहे है। जो वस्तुए आसानी से हमें मिल जाती है उनके साथ हम साधारण **खेल** खेलेंगे।

एक खेल समूह के लिए चुनें उसमें यीशु और पतरस का पानी पर चलना कहानी को बताएँ। फिर हर एक समूह को विश्वव्यापी स्तर से भिन्न क्रियाएँ करने को दे। समूहों को समाप्ति पर ध्यान देने के लिए काफी समय दें।

खेल

- **बीच बाल (गेंद):** एक पक्के मार्कर के साथ बीच बाल पर किसी बाईबल कहानी के मुख्य प्रश्न लिखे जा सकते है। जहाँ कहीं बच्चा गेंद पकड़ता है तो उसक आवश्यक्ता अनुसार उत्तर देना पड़ेगा। पृष्ठ 29 पर मिलने वाले मुख्य प्रश्न ही आप प्रयोग करें।
- **घेरे में गेंद उछालना:** एक गेंद या कोई नरम वस्तु को छोटे झुण्ड में उछाले और जो व्यक्ति गेंद को उछालता है उसको और जो व्यक्ति गेंद को उछालता है उसको बाईबल कहानी में आगे क्या है बताना होगा! गुब्बारे का प्रयोग इस खेल को रोचक बना देगा।
- **टाईमर:** घड़ी का प्रयोग करे, कोई गिनती करे या और टाईमर देखें कि दिये गए समय में झुण्ड बाईबल कहानी कितनी सुनाता है।
- **गाँठ बाँधकर झालर बनाना:** 5 मीटर रस्सी लेकर उसे गाँठ बाँधकर घेरा बनाए। बच्चों को रस्सी पकड़ने को कहें। आप की आज्ञा पर बच्चे रस्सी को घड़ी की तरह घूमाएँ और जब आप रूकने को कहते है तो जिसके हाथ गाँठ पर हो वह बाईबल कहानी के प्रश्न का उत्तर दे या कहानी में आगे क्या हुआ, बताएँ।
- **कहानी पत्ते:** अलग–अलग पत्तों पर बाईबल कहानी के हिस्से लिखे या रेखाचित्र बनाए। कक्षा में उनको भिन्न–भिन्न बच्चों को दो ताकि वह कहानी की पंक्तियों को क्रम में जोड़े। आप उनको निर्धारित समय में करने को या 2 बार या ज़्यादा बार लिखने को दे सकते है और सब झुण्डो में सबसे पहले कौन सा झुण्ड करता है।
- **मयुजिक चेयर/संगीत कुर्सियाँ:** कुरसियों को घेरे में जितने व्यक्ति झुण्ड में है उससे एक कम लगाए। जब संगीत बजता है तो लोग कुर्सियों के चारों तरफ घुमे। जब संगीत बंद हो हर एक कुर्सी पर बैठे। जो खड़ा रहे वह कहानी का अगला भाग बताएँ। कहानी पूरा होने तक ऐसा ही करें।
- **डाईस खेल:** हर एक छोटा झुण्ड घेरे में बैठे और उन्हें एक डाईस दिया जाएँ। पहला बच्चा डाईस को फेकें और यदि 2,3,4 या 5 नबंर आता है, वो कहानी में पहली घटना क्या हुई, बता सकता है। यदि वह एक ही नबंर लेता है तो वह छोड़ दे और अगला व्यक्ति बताए कि क्या हुआ था। यदि वह 6 नबंर लेता है तो यह दोबारा होगा और दूसरी तरफ का व्यक्ति बताएगा कि कहानी में आगे क्या हुआ है। जब तक कहानी पूरी न बताई जा सके बच्चें के साथ लगातार खेले।

कला

- **ग्राफिटी वाल/दीवारः** समूह में बच्चों को वह शब्द लिखने या रेखा चित्र खींचने को कहे जो कहानी बताते है।
- **व्यक्तिगत रेखा चित्रः** बच्चे एक रंग के साथ कहानी का जो भाग उन्हें पंसद हो उसकी तस्वीर बनाएँ।
- **टीशर्ट डिजाईनः** हर एक बच्चे की टी शर्ट के आगेके हिस्से पर जो कहानी का बड़ा भाग बताए डिजाईन करने को दे।
- **पाईप साफ करने वाला/मिट्टी के साथ खेलनाः** इन वस्तुओं का प्रयोग कहानी को दोबारा बताने के लिए करें।
- **बिलबोर्डः** बाईबल कहानी की सड़क का बिलबोर्ड का नकशा, बनाए या आप देखे कि कैसे आप अपने आप को इसके साथ जोड़ते है।
- **तस्वीर बनानाः** कहानी के विभिन्न भाग दिए जाए और वह व्यकित तब तक रेखा चित्र बनाए जब कोई उसका अनुमान ना लगा ले कि वह क्या है।

नाटक

- इसका अभिनय करेःझुण्ड में बच्चों को कहानी के भिन्न–भिन्न भाग करने को दें। उन को अभ्यास करने दे और फिर बारी बारी झुण्ड के सामने पेश करें।
- **किडस सटोरी बोर्डः** कपड़े के विभिन्न पात्रों का प्रयोग करें और बच्चों से कहें कि वह स्टोरीबोर्ड पर आ कर चिपकाकर कहानी बताएँ।
- **शब्दों का अनुमान लगाने बाली पहेलियाँः** बिना शब्दों का प्रयोग किए बच्चे विभिन्न दुश्य पेश करें और देखेनेवालों को अनुमान लगाने दे कि वह कहानी का कौन सा भाग कर रहे है।
- **बाईबल की कहानी** दोबारा पढ़े और ध्वनि के विभिन्न प्रभाव और/या शब्दों के लिए चलचित्र या क्रियाएँ जो कहानी में बार–बार आते है।
- **वस्तुएँ (गुलूबन्द, रस्सी)** देखें कि वह कितनी वस्तुओं का प्रयोग कहानी बताने के लिए कर सकते है। आप हर एक झुण्ड को कहानी बताने के लिए तीन अलग–अलग वस्तुओं को प्रयोग के लिए दे सकते है।
- **चलचित्रः** कहानी का हर एक भाग बताने के लिए विभिन्न चलचित्रों का प्रयोग करें। आप हर एक बच्चे को या छोटे झुण्ड को एक चलचित्र करने को दे सकते है और उस कहानी में आने वाले चलचित्रों का प्रदर्शन करने की आवश्यक्ता है।
- **हयूमन स्लाईड शोः** परदे के लिए प्रयोग करने के लिए एक बड़ा कपड़ा ले। दो बच्चे इसको ऊपर पकड़कर रखेंगे और जब आप कहेंगे, तो गिरा देंगे। बहुत बच्चों को कहानी के पात्रों के रूप में ले। हर कहानी के भाग के लिए जब परदा ऊपर हो, बच्चों से कहें कि वह कहानी के भाग अनुसार दृश्य की स्थिति में खड़े हो जाएँ। उनको उस सथान पर सही ढंग से खड़े रहना है फिर कपड़ा गिरा दे ताकि बाकी झुण्ड इसे देख सके। हर दृश्य में जैसा आप बताते है उस के अनुसार बदल ले।
- **कठपुतलीः** कहानी को बताने के लिए जुराबें, पेपर प्लेट, पेपर कप और लाठी का प्रयोग कर कठपुतली बनाएँ और दोबारा कहानी बताने के लिए चिपकाए।

संगीत

- **रैप समीक्षाः** बच्चों को कहानी की मुख्य घटना पर रैप बनाने दे।
- **मशहूर गाने को नए शब्द देंः** बच्चों के किसी मशहूर गीत को ले और उसें कहानी के शब्दों में बदलकर बाईबल की कहानी को बताएँ।
- **तालः** झुण्ड को ताल के साथ आने दे फिर ताल बजाकर कहानी को बताएँ।
- **नाचः** नृत्य तैयार करे जो कहानी बता सकें। साथ में संगीत को बजाएँ।

लिखना

- **कहानी पुस्तकः** बच्चा तस्वीरों और शब्दों को जो कहानी पुस्तक के तरीके से है के द्वारा कहानी बता सकता है।
- **साधारण ढंगः** बच्चों को अवसर दे कि वह शान्त बैठकर कहानी में क्या था और उसका क्या अर्थ है लिखे।
- **मुख्य दस/10ः** बच्चों को व्यक्तिगत या झुण्ड में कहें कि वह कहानी की दस मुख्य घटानाओं को लिखें।
- **आगे क्या हैः** हर एक बच्चे को कहानी में से लिखने को कहें कि परमेश्वर उनसे क्या करने को चाहता है जो उन्होंने कहानी में सुना है।
- **तुलना करनाः** बच्चे से कहे जो कहानी बताई है उसके एक पात्र को चुन ले। एक चार्ट बनाए और तुलना करे कि वह बाईबल पात्रों से कैसे अनुकूल और विपरीत है।

सेशन #6
खोई हुई मेमना

हर एक ने खोई हुई मेमना कहानी को कैसे पढ़ा है? आप इस कहानी को बताने के योग्य कहाँ है? क्या आप बता सकते है कि जब आपने इसे किया तो क्या हुआ?

इस सेशन के दौरान हम खोई हुई मेमना कहानी बताने के अध्याय की तैयारी के तरीके की ओर वापस आएँगे। हमारे छोटे झुण्डों में 3–4 लोग शामिल करें।

अपनेझुण्ड में कुछ समय अपने लिए और जिन बच्चों को आप कहानी बताएँगे उनके लिए **प्रार्थना** करे (5 मिनट)

मैं चाहूँगा हर एक झुण्ड के दो लोग अपनी बाईबल में से ऊँचे स्वर में कहानी **पढ़े।** (5 मिनट)

अपनेझुण्ड में दिमाग लगाए कि आपकी **प्रारंभिक** गतिविधी या प्रश्न पाठ को आरम्भ करने के लिए सबसे उत्तम क्या होगा। वह क्या एक है जो आप सारी क्लास को बता सकते है? (10 मिनट)

बच्चो के लिए क्या **परिचय** महत्वपूर्ण है जो कहानी से पहले वह जानें? (10 मिनट)

हर एक को कहानी **बताने** दें जिस उत्तम ढंग से वह बता सकता है। (10 मिनट)

दोबारा बताने की क्या गतिविधी है। जो इस कहानी में बढ़िया काम कर सकें? एक को चुनें जो आप एक झुण्ड के रूप में कर सकते है। (10 मिनट)

सेशन #7
खोज और प्रतिक्रिया प्रश्न

प्रश्न पूछना और विचार विमर्श जो होना चाहिए कहानी बताने की क्रिया में आलोचनात्मक है। केवल जानकारी का होना ही महत्वपूर्ण वस्तु नहीं है एक अगुवा झुण्ड को कहानी के कुछ पहलूओं को याद रखने से उनको कैसे महसूस होता है तक लेकर जाने वाला होना चाहिए। यह पवित्र आत्मा को अपना काम करने की अनुमति देता और व्यक्ति के जीवन को बदलता है तब वह यीशु मसीह के समान बनते जाते है। यीशु आप भी लोगों की समझ की गहराई और हृदय परिवर्तन की ओर ले जाने हेतु प्रश्न पुछते थे। आसान विचार विमर्श बच्चों को बाईबल से खजाना खोजने और बाईबल को उनके दिलों में पहुँचाने में सहायक होता है।

जब आप प्रश्न पूछते है तो लोग अपने आप परमेश्वर की सच्चाईयों को खोजना आरम्भ कर देते है। यह केवल उन्हें बताया ही नहीं जाता है। यह फिर उनके जीवन और दिल की गहराई में जाता है। **आप क्या जानते यह इस बारे में नहीं है–यह उनके बारे में है जो परमेश्वर की सच्चाईया अपने लिए खोजता है!** प्रश्न खोजना–इन क्षेत्रों में प्रभावशाली विचार विमर्श बनाता है।

- **मुख्यः (वास्तविक्ताएँ)** यह प्रश्न हमें इस कहानी में "**क्या**" हुआ याद रखने में सहायता करते है।
- **दिल (महसूस करना)** लोगो को विभिन्न चेतना जो कहानी ने उन्हें दी है अनुभव करने के लिए महत्पपूर्ण समय व्यतीत करे और "**फिर क्या**" या "**क्यों**" उत्तर दे। समझदार बने और पवित्र आत्मा की अगुवाई में चले जब लोगो के प्रतिक्रियाओं में गहराई से जाएँ। हमेशा पहले ही प्रतिक्रिया से तृप्त न हो जाएँ।

फिर विचार विमर्श **प्रतिक्रिया प्रश्नों** के साथ समाप्त होता है ताकि हर **एक व्यकित अपनी व्यक्तिगत प्रतिक्रिया** दे। यहाँ पवित्र आत्मा आपके झुण्ड के हर एक व्यक्ति को दिखा रहा और बोल रहा है। यह हरेक के लिए भिन्न होगा। यह अच्छा है कि पवित्र आत्मा काम कर रहा है।

कई बार आप एक विशेष विशष या प्रकरण बाईबल प्रणाली द्वारा बाईबल कहानी का प्रयोग करके बता रहे हो सकते है। यह बहुत अच्छा होगा जो इस मार्ग की अगुवाई के लिए निशचित प्रश्नों का निर्देश दे परन्तु निश्चित उत्तर के लिए दबाव न बनाए। समीक्षा करना और फालोअप करना महत्वपूर्ण है। देखे हर एक व्यक्ति जो परमेश्वर ने कहा है उसका कैसे पालन कर रहा है। यह प्रश्न इस के साथ व्यवहार करते हैः

- **हाथ (लागुकरण)** "**अब क्या**"

इन सब प्रश्नों की उदाहरणें पेज 29–30 पर मिल सकती है। एक बार आरम्भ करने के लिए आप इन प्रश्नों का ज़रूर प्रयोग करें, जब अपना पाठ तैयार करते हो तो दूसरों को भरें। **यह प्रश्नों की पड़ताल/जाँच–सूची (चैक लिस्ट) नहीं है परन्तु पवित्र आत्मा एक व्यक्ति के जीवन और दिल में क्या करना चाहता है उसकी खोज है।**

संभावित आन्तरिक प्रश्नः

- जब कहानी बताई जा रही थी तो आप किस के बारे अचंभित थे? (दिमाग/दिल)
- कहानी का कौन सा भाग वास्तव में आपको पंसद आया? इसके बारे क्या पंसद किया? (दिमाग)
- क्या कुछ ऐसा था जो समझने में कठिन/मुश्किल था? (दिमाग)
- लोगो ने किसका चुनाव किया? इसके इलावा उन्होंने और क्या किया है? जो चुनाव उन्होंने किया उससे क्या हुआ? (दिमाग)
- मैंने कुछ परमेश्वर के बारे में सीखा है...यह आपके जीवन में क्या बदलाव लाएगा कि कैसे आप उससे प्रेम करेंगे और उसके लिए जीएँगे (सेवा)? (दिल)
- क्या आप इस तरह परमेश्वर को जानना चाहते है? क्या अभी आपके जीवन में कुछ हो रहा है जहाँ परमेश्वर आपकी सहायता कर सकें? (दिल)
- आज की कहानी के कारण परमेश्वर (पवित्र आत्मा) क्या चाह रहा है जो आप करें?

पुनः बल देने के लिए भागः

- कुछ मुख्य आरम्भिक प्रश्नों के अलावाः आप सही उत्तर को नहीं देख रहे है। एक खुले. . .समाप्ति प्रश्न पूछने के बाद बहुत लोगो को अनुमति दे कि वह प्रतिक्रिया दें। याद रखें हम सीखने और हर एक द्वारा प्रकाशन होने को देख रहे है।
- कुछ प्रतिक्रिया के लिए आप ध्यान से जाँच करने वाले प्रश्नों के साथ फालोअप करना चाहेंगे। देखे, पवित्र आत्मा मुख्य प्रतिक्रिया से क्या प्रगट करना चाहता है। इस प्रकार के प्रश्न पूछेः "आपको किस ने इस ढंग से सोचना और महसूस करने वाला बनाया है?" या "तुम्हारे लिए यह क्यों महत्वपूर्ण है?" लोगों को बताते समय अनुकूल वातावरण बनाएँ रखने के लिए समझदार बनें।
- जब आपने एक अगुवा होते हुए एक प्रश्न पूछा है तो इसे झुण्ड को विचार विमर्श के लिए दे। अक्सर जब एक अगुवा पहला जवाब देता है तो वातचीत समाप्त हो जाती है। इसे समूह में दोबारा भेजे और उन्हे अनुमति दे कि वह सोचे और परिज्ञान दे।
- यदि आप ने एक प्रश्न पूछा है और उसका उत्तर आप के पास और झुण्ड के पास नहीं है तो बच्चों को जानने दो कि वास्तव में यह एक अच्छा प्रश्न था। आपको घर जाकर उत्तर खोजने की आवश्यक्ता होगी।

हिस्सा लेने वालों को 3–4 लोगो के छोटे समूहों में जाने दे। एक व्यकित यीशु और पतरस की पानी पर चलना की कहानी बताएँ। एक झुण्ड के रूप में इन प्रश्नों के साथ आए और पूछने को अभ्यास करें:

- **3 मुख्य प्रश्न**
- **5 दिल के प्रश्न**
- **2 हाथ/जवाब के प्रश्न**

अब यह समय समूहों के लिए है कि वह मिलकर वास्तविक विचार विमर्श में समय लगाएँ। हर एक झुण्ड एक अगुवे को चुनें। ऊपर दिए आन्तरिक प्रश्नों का प्रयोग करते हुए और वह प्रश्न जो उनसे उत्पन्न हुए है, अगुवा उनके छोटे झुण्ड में विचार विमर्श कराए।

खोज और प्रतिक्रिया प्रश्न

खोज प्रश्न–मुख्य (तथ्य):

- मेरा उद्देश्य में कहानी की वस्तु सामग्री को समझना है।
- कहानी क्या कहती है? कहानी में क्या हुआ है?
- मैं परमेश्वर को उसके वचन के द्वारा जानना चाहता हूँ।

क. जब कहानी बताई जा रही थी तो आप क्या कल्पना कर रहे थे? आपने कैसे महसूस किया?

ख. क्या आप वहाँ होने की कल्पना कर सके थें? जब कहानी बताई जा रही थी तो आपने क्या सुना/देखा/जाना?

ग. कहानी में आपके लिए सबसे बढ़िया क्या था?

घ. कहानी में परमेश्वर/यीशु उनको क्या सिखा रहे थे?

ड. पहले वाली कहानियों में हमने कहाँ परमेश्वर को यह करते देखा?

च. क्या आपने कुछ ऐसा सुना जिसने आप को पहले वाली कहानियों की याद दिलाई हो? क्या संबंध आप बनाए है?

छ. हमारी कौन सी दूसरी कहानियाँ इस के बारे में बताती है?_____

ज. क्या कुछ ऐसा था जो समझने के लिए मुश्किल या कठिन था?

झ. कहानी कैसे परमेश्वर/यीशु का लोगो के साथ संबंध बताती है

ञ. इस कहानी स_____परमेश्वर/यीशु के साथ संबंध के बारे क्या सीखते है?

ट. कहानी में परमेश्वर/यीशु लोगो को कैसे जवाब देते है? यह हमें क्या दिखाता है?

ठ. परमेश्वर/यीशु ने कैसे जवाब दिया जब...?

ड. लोगों ने कैसे जवाब दिया?

ढ. कैसे परमेश्वर/यीशु ...?

ण. इस घटना में परमेश्वर/यीशु उन्हें क्या सिखा या दिखा रहे थे?

त. आज आपने इनके बारे में क्या सीखा...

- परमेश्वर?
- यीशु?
- यह कहानी?
- यीशु के पीछे चलने का क्या अर्थ है?
- आपके?

थ. परमेश्वर/यीशु क्या पसन्द करते है/के बारे में हमने क्या सीखा है?

द. लोगो ने क्या चुनाव किए? वह और क्या कर सके? जो चुनाव उन्होंने किए उसके बदले क्या हुआ?

न. इस कहानी से. . .आपने परमेश्वर/यीशु के बारे क्या जानकारी प्राप्त की है?

अ. परमेश्वर/यीशु के पीछे चलने पर क्या_____जोखिम था?

प. यह किस प्रकार हमारी दशा के समान है_____?

फ. कैसे कहानी में पात्र एक समान या भिन्न है?

ब. किन ढंगों में हमारी स्थिति ऐसी है...?

खोज प्रश्न–दिल (भावना):

- मेरा उद्देश्य कहानी के साथ आत्मिक और भावनात्मक रूप से जुड़ना है, कहानी को अनुमति देना कि मेरे दिल को छेदे। कहानी कैसे मेरे जीवन से संबंध रखती है?
- कहानी महत्वपूर्ण क्यों है? यह मेरे लिए महत्वपूर्ण क्यों है?
- मैं उसके वचनों के द्वारा परमेश्वर से प्रेम करना चाहता हूँ

क. आप कहानी के बारे क्या पसंद करते है? क्या कुछ ऐसा है जिसे आप पसंद नहीं करते?

ख. आपको इस कहानी से क्या मिला है?

ग. आज कहानी में आपकी सोच के अनुसार कौन सा भाग महत्वपूर्ण है? जब आपने कहानी सुनी तो कैसी भावनाएँ आई? आप कैसा महसूस करना चाहोगे यदि...?

घ. जब आप कहानी सुन रहे थे तो आपने क्या कल्पना की?

ड जब आप कहानी सुन रहे थे तो किस बारे आप अचंभित हुए?

- किस प्रकार की भावनाएं आप सोचते है...?
- किन भावनाओं ने जो आप सोचते हो आपको उत्साहित किया...?
- आप क्या सोचते है कि यह कैसा था...?

च. आप की सोच के अनुसार...इस कहानी में _____ दिल और मन में चल रहा था?

छ. आज की कहानी के बारे किस ने आपको अचंभित और हैरान किया?

ज. आज की कहानी में आप किस पात्र से संबंधित है?

झ. आप क्या महसूस करते है कि परमेश्वर/यीशु के लिए वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है? चरित्र के लिए?

ञ. किस तरह हम भी इस प्रकार _____ है? किन कारणो से हम अलग है?

ट. कहानी सुनने के बाद, किस प्रकार का बदलाव होना चाहिए, आप कैसे अपने आप का प्रदर्शन करेंगे?

ठ. क्या कभी परमेश्वर ने आपको प्रयोग किया है...?

ड. आप क्यों अनुमान लगाते है...?

ढ. आप क्यों सोचते है कि परमेश्वर ने इस कहानी को बाईबल में रखा?

ण. अब आप परमेश्वर/यीशु के बारे कैसा महसूस कर रहे है?

त. वो क्या है जिसे आपने आज से पहले कभी नहीं समझा?

थ. जो आज आप ने सुना उसमें सबसे दिलचस्प वस्तु क्या है?

द. इस कहानी ने कैसे आपको चुनौती दी या उत्साहित किया है?

प्रतिक्रिया प्रश्न–हाथ (क्रिया)

- मेरा उद्देश्य पवित्र आत्मा की अगुवाई को प्रतिक्रिया देने और लागु करने के लिए खोजना है उसमें जो मैंने इस कहानी से सीखा है। मुझे कहानी को अपने जीवन में कैसे लागू करना चाहिए?
- जो मैंने कहानी से सीखा है परमेश्वर उसमें से क्या चाहता है जो विशेष रूप से मैं करूँ?
- मैं परमेश्वर की सेवा आज्ञाकारी से करना चाहता हूँ जो मैंने उसके वचन से सीखा है।

क. आज आपने क्या सुना है जिसने आपको सोच में डाला है कि आप अपने जीवन में बदलाव करें?

ख. जो आज आपने सीखा है आप क्या महसूस करते है जो परमेश्वर/यीशु/पवित्र आत्मा आप को करने को कह रहा है?

ग. आप की सोच के अनुसार परमेश्वर/यीशु/पवित्र आत्मा आपसे क्या बोल रहा है?

घ. आज कहानी के लिए आपको क्या भिन्न करना चाहिए? कैसे आपको उससे प्रेम और उसकी सेवा करना है यह क्या बदलाव लाएगा?

ड. इस कहानी से आपने यीशु के पीछे चलने के बारे क्या सीखा है? इस सप्ताह के अभ्यास में इस पर अर्न्तदृष्टि कैसे डाल सकते है?

च. आज हमें कैसे परमेश्वर/यीशु को जवाब देना चाहिए?

छ. कहानी सुनने के बाद आप कैसे भिन्न जीएँगे?

ज. क्या आप इस तरह परमेश्वर को जानना चाहेंगे? क्या अभी आपके जीवन में कुछ हो रहा है जहां परमेश्वर/यीशु/पवित्र आत्मा आप की सहायता कर सके?

झ. आप इस सप्ताह किसके साथ यह बाँट सकते है?

ञ. आप कैसे सोचते है? कि परमेश्वर चाहता है कि आप उसकी कहानी का भाग बनें

लोगो का ध्यान कहानी पर केन्द्रित करे

क्या होता है जब बच्चे दूसरे विषयों पर चले जाते या वस्तुए कहानी से संबंधित नही? उनके उत्तर के लिए उनको कहानी के ओर ले जाएँ कहानी ने उसके बारे क्या कहा? आओ पीछे जाकर देखें।

- **स्पर्श रेखाः** कुछ लोगो का ध्यान हट जाता या दूसरे विषयो पर जाता है। जब ऐसा होता तो यहाँ कुछ सुझाव हैः
    - आज की कहानी में वो आप कहाँ देखते है? जो हम अभी विचार विमर्श कर रहे है?
    - जो नतीजा आपने निकाला हम बाद में बात कर सकते है।

- **धर्म ज्ञानः** परमेश्वर के बारे में लोगो के बहुत प्रश्न या विचार है जिनका उत्तर देना मुश्किल है। आज की कहानी में आप क्या देखते है? अगुवा होते हुए आपको फैसला लेना होगा क्या अभी अच्छा समय है कि परमेश्वर के बारे इस बड़े विवाद/प्रश्न को सम्बोंधित करे।

- **प्रश्नः** दूसरे प्रश्नों को सम्बोधित करने से पहले यह निर्धारित कर लें कि झुण्ड से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आप हर एक को विस्तृत अवसर दे। यदि समय हो तो दूसरे प्रश्नो पर भी ध्यान दिया जा सकता है। विराम भी अच्छा है। लोगो को रहने और परमेश्वर उनमें क्या जोश भर रहा है, उस बारे सोच विचार करने दे।

सेशन #8
अंतिम सौंपा गया कार्य

हिस्सा लेने वालों को अपने छोटे समूह में जाने दे। हर एक समूह को इन कहानियों में से एक दें। यदि 12 से ज़्यादा समूह है, तो यह ठीक है एक कहानी दो समूह को दे।

अगले पृष्ठ पर मिलने वाली पाठ योजना शीट का प्रयोग करते हुए, आप ज़रूर हर एक समूह का हर एक भाग के लिए निश्चित समय दे ताकि यह प्रमाणित हो कि सारा पाठ दिए हुए समय के अनुसार सुनियोजित है।

- लकवे के रोगी को चंगा करनाः लूका 5:17–26
- अच्छा/दयालु सामरीः लूका 10:25–37
- 5000 को खिलानाः यूहन्ना 6:1–14
- दस कोढ़ियों का चंगा होनाः लूका 17:11–19
- निरन्तरता वाली विधवाः लूका 18:1–18
- फरीसी और चुंगी लेने वाले की प्रार्थनाः लूका 18:9–14
- अन्धे व्यक्ति को चंगा करनाः लूका 18:35–42
- जक्कईः लूका 19:1–10
- पतरस लगड़े व्यक्ति को चंगा करताः प्रेरितो 3:1–10
- अलीशा और विधवा की तेल की हाँडीः 2 राजा 4:1–7
- शमूएल परमेश्वर की आवाज सुनता हैः 1 शमूएल 3:1–14
- दाऊद का राजा होने का अभिशेकः 1 शमूएल 16:1–13

हरेक समूह के लोगो के विचार बाँटने दे, कि वह कैसे एक पाठ योजना के साथ पाठ को प्रस्तुत करेंगे। यदि एक से ज़्यादा समूह को एक कहानी दी गई है तो यह समूह अभ्यास और विचार–विमर्श कर सकते है। बाकी के समय में जितना संभव हो पाठों को प्रस्तुत करे।

प्रर्दशनी के लिए हरेक समूह को हरेक भाग प्रस्तुत करने के लिए अलग लोगों को काम देना चाहिए। यदि समय हो तो आरम्भ और प्रश्नों का केवल वर्णन उलेख होने चाहिए परन्तु इन्हें सारी कक्षा द्वारा नहीं करना है। परिचय, कहानी बताना और दोबारा कहानी बताना चाहे सारी कक्षा या दूसरे छोटे समूह द्वारा होना चाहिए।

प्रदर्शनी के बाद, प्रदर्शित झुण्ड को प्रतिक्रिया (फीडबैक) दे। विभिन्न पहलुओं को देखें जिसमें उन्होंने अच्छा काम किया और वह सकारात्मक थे। किसी अलग क्षेत्र से देखें जिसमें अच्छे नतीजे के लिए भिन्न किया जा सके। विशेषकर उन अवसरों को देखे जहाँ कहानी सजोंई गई है और बाईबल मे स्पष्ट नहीं बनी।

पाठ योजना शीट

आरम्भः

- एक प्रश्न या क्रिया चुनें जिससे बच्चे व्यक्तिगत कहानी बता सके।
- क्या उत्तर एक भावना प्रकट करेगा जो बच्चे में थी?
- वह प्रश्न पूछे जिसका उत्तर "हाँ" या "नहीं" से बढ़कर हो।

परिचयः

- क्या ऐसे शब्द हो जिन्हें परिभाषित करने की जरूरत है?
- क्या भूगोलिक परिस्थिति जानना महत्वपूर्ण है?
- क्या कुछ घटनाएँ जानना महत्वपूर्ण है जो कहानी से पहले घटी है?
- क्या संस्कृति भिन्नता है जिसे बताना महत्वपूर्ण है?
- क्या पहली कहानियों से कुछ बातें है जिसका पुनर्विचार करना अच्छा होगा?

दोबारा कहानी बताएँः

- क्या मैं बच्चों को कहानी में शामिल कर सकता हूँ?
- क्या नाटकी वस्तुएँ है जो कहानी को ज़्यादा आर्कषित करने वाली और प्रभावशाली बना सकती है?
- क्या एक चलचित्र वस्तु समूह को दिखाने के लिए है?
- क्या कहानी के ऐसे हिस्से है जिन्हें कलात्मिक बनाने की ज़रूरत है, जैसे नामो और स्थानों की सूची?
- क्या बच्चो को सीखने के लिए कहानी की लंम्बाई अच्छी है जो वह दूसरों को बता सकते है?
- क्या कहानी में एक व्यक्ति है जिसे में उनके अनुभव से बताना चाहता हूँ?

दोबारा बतानाः

- मेरे विद्यार्थी वास्तव में क्या करने में आन्नद उठाते है?
- क्या कोई ऐसी क्रिया है जो मैंने काफी समय से प्रयोग नहीं की जो बच्चों को आर्कषित कर सकेगी?
- क्या सब बच्चों के भाग लेने की संभावनाएँ काफी है?
- जब बच्चें दोबारा कहानी सुनाते है क्या वह बाईबल के अनुसार सही सुनाते है।

खोज प्रश्नः

- क्या मैंने पाठ के लिए प्रार्थना की है जो एक भाव हो जहां पवित्र आत्मा इस विचार–विमर्श में अगुवाई करें।
- क्या मेरे पास ऐसे प्रश्न है जो केवल दिमाग को नहीं वरन दिल को आर्कषित करते है?
- बच्चो के स्तर पर कहानी का कौन सा भाग असर करेगा? क्या विचार विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए उस दिशा में मेरे पास प्रश्न है, जिसमें पवित्र आत्मा की अगुवाई होनी चाहिए।

प्रतिक्रिया प्रश्नः

- मैं कैसे पाठ को समाप्त करूँगा–जवाब के लिए कौन सा प्रश्न बढ़िया होगा?

सेशन #9
समर्पित और आशीष

- भाग लेने वाले पूरा मुल्यांकन करें।
- जब प्रमाण हो तो हर एक व्यक्ति को प्रस्तुत करे
- समूह की तस्वीर खींचे
- समूह पर आशीष की प्रार्थना करें।
- यदि संभव हो गीत गाएं और सिखाएँः समाप्ति से पहले आर्शीवाद।

परिशिष्ट

पृष्ठ

- सारे संसार के बच्चें 36
- दिशानिर्देश 37–38
- अनेक प्रकार की बुद्धिमता 39
- बाईबल कहानी का प्रयोग करते हुए आर्दश बदलाव 40
- किडस सटोरी बोर्ड परिक्षण 41
- बाईबल कहानी के अतिरिक्त स्रोत 42

संसार भर में बच्चे

हमारा मिशन

परमेश्वर की बदलने वाली आशा के साथ बच्चों के जीवनों को प्रभावित

हम एक आशा की संस्कृत का नमूना देते है और उसमें जीवन व्यतीत करते है जो है:

रूपान्तर
संबंधी
प्रसंगानुकूल
मौज–मस्ती

हमारी अगुवाई के सिद्धान्त

प्रार्थना
भागीदारी
नई रीति प्रचलित करना
सामर्थी बनाना
बढ़ोतरी
विश्वासयोग्यता

हमारी सेवकाई का मुख्य केन्द्र

बच्चों को प्रभावित करने के लिए हम विश्वासियों के समाज को सहारा देते है

kids around the world

किड स्टोर मिशन

उसकी कहानी बताने से और पवित्र आत्मा के कार्य से परमेश्वर की रूपान्तर करने वाली आशा के साथ बच्चों के जीवनों को प्रभावित करना है।

बच्चों की कहानी का लक्ष्य और आशाएँ

- परमेश्वर का वचन सिखाने के लिए बच्चों की कहानी/बाईबल कहानी ढंग का परिचय देना
- अगुवों और बच्चों के दिलों और दिमागों में परमेश्वर के आत्मा का कार्य होना लोगों को पास लाना व्यक्तिगत और मिलकर उसकी निकटता में आना।
- बच्चों के एक समूह में बच्चे की कहानी ढंग का प्रयोग में भरोसा होना।
- बच्चों को केवल कहानी सीखना और अपने व्यक्तिगत जीवन में लागू करना ही देखना नहीं परन्तु अपने परिवारों और मित्रो को कहानियां बताते देखना है।
- लोगों और टीमों को बढ़ावा देना कि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर किड स्टोरी वर्कशाप लगाने में अगुवाई करना।

दिशा–निर्देश (गाईडलाईन)

हिस्से लेने वालों के लिए दिशा–निर्देश

बाईबल कहानी बताने के सेशन शुरू करने से पहले इन नियमों का हिस्सा लेने वालों के साथ विचार–विमर्श कर लें।

- **हरेक का स्वागतः** हम एक सुरक्षित स्थान बनाना चाहते है।
- **भागेदारीः** यह आशा कि आप सभी इस बातचीत में शामिल होंगे। आगे बढ़ाना सही है यदि आपके रास्ते में प्रश्न आता है या "मैं नहीं जानता" कह दे।
    - **आम सहमति नहींः** मुख्य भाग में हम सही उत्तर को नही देख रहें है। भिन्न साधनों पर निर्भर होने से पवित्र आत्मा हम में से हरेक पर अलग–अलग बातें प्रगट करेगा। हमारे अनुभव हम कैसे बढ़ते है और हम क्या जानते है उसी कहानी से हमें भिन्न दुष्टिकोण को देंगे।
- **खुले मन वाले और ईमानदार बनेः** प्रभु की और दूसरों की निकटता में तभी बढ़ा जाएगा जब हम दूसरों को यह बताने में ईमानदार होंगे कि साथ क्या हा रहा है। आप देखेंगे कि बहुत बार दूसरे बच्चे जो हम करते है उसके साथ संघर्ष करते है।
- **"मै" का बयानः** "कलीसिया का यह" या "वह वो" "हमें चाहिए" बात न करें। परमेश्वर आपसे क्या कहता है और "मैं" का बयान रखें।
- **पिछली और अब की कहानियाँः** आज की और दूसरी कहानियों का विचार विमर्श करने से हम जो कहानी बताई गई है उसमें सबको एक ही स्थान में रखकर एक समान ज्ञान दिया है। हिस्सा लेने वाले को बाईबल के दूसरे ज्ञान या कहानिया को नहीं लाना चाहिए केवल जिनका समूह में पहले विचार विमर्श किया गया हो।
- **काल्पनिक सुननाः** जैसे कहानी बताई जाती है अपने को उस स्थान पर रखने की कोशिश करे। आप क्या देखते सूघंते और सुनते है? दूसरे पात्र क्या कर रहे है? आप कौन सी भावनाएँ महसूस कर रहे है?

अगुवे के लिए दिशा–निर्देश

- **प्रार्थनाः** प्रभु के सामने बने रहना गंभीर है इस लिए आप पवित्र आत्मा की धीमी आवाज़ सुन सकते है। यह अगुवे के प्रदर्शन यह परिणामों के बारे नहीं है परन्तु पवित्र आत्मा लोगों में और उनके जीवनो द्वारा कार्य करने के योग्य है।

- **सह–विद्यार्थीः** अगुवे होते हुए, आप के पास सारे उत्तर होने की आवश्यकता नहीं है–इसे बाईबल के भाग की ओर लाँए और दूसरों को इसमें उत्तर देने दीजिए। आपको इस विश्वास के साथ कहानी सेशन में जाने की आवश्यकता है कि आप दूसरे हिस्सा लेने वालों से सीखने जा रहे है।

- **सुरक्षित वातावरणः** कुछ भी सीखने के लिए लोगों का सुरक्षित होना जरूरी है, जो इस प्रकार बनाया जा सकता हैः

    - **अपने श्रोतागणों को जानकरः** आत्मिक, भावनात्मक, व्यक्तिगत मुद्दों में

    - **शरीरिक रूप सेः** कमरे का तापमान, कमरे की सजावट और उपकरण

    - **मानसिक रूप सेः** नीचा न दिखाए या ताना ना मारे, बहुत सारे दृढ़वचनों का प्रयोग करे।

    - **आत्मिक रूप मेंः** कोई भी दूसरे से ज्यादा बाईबल का ज्ञानवान नहीं है कोई यीशु का सुपरस्टार नहीं है।

- **परमेश्वर से मिलने की आशा रखेः** कहानी में जाए परमेश्वर से आशा रखते हुए कि उसकी कहानी हमारी कहानियों को काटे। अक्सर हम भाग लेने वालों को सूचनाएँ सौंपने या थोपने की विधी से प्रवेश करते है

- **पारदर्शिक्ताः** जब उचित हो समूह के साथ एक होना अच्छा है और अपने आप योग्य और पारदर्शी बनाए।

- **सुनना**

    - **पवित्र आत्माः** समय आएगा जब आप सुनेंगे कि पवित्र आत्मा आप को खोजने को कह रहा है। ऐसा सबके साथ नही होता है। लोग "यीशु, बाईबल, प्रेम, परमेश्वर," जवाब देने के आदी है–जब उचित हो उनसे और निश्चित जवाब पूछना अच्छा होगा।

    - **भाग लेने वालेः** अपने उत्तर के साथ जल्दी न करें या "मैं यह करना चाहता था" या "क्या करना चाहिए" दिल की सुने कि लोग क्या बातचीत कर रहे है? पिछली कहानियों और हिस्से लेने वालों का जवाब और विचारों से जुड़े। जब हम शांत होते है तो अक्सर पवित्र आत्मा बोलता है।

    - **आपः** यह आपके और आप क्या जानते है के बारे नहीं है। जो बातें आपके दिमाग में चल रही है उन्हें सुने और उस सब को एक तरफ रख दे और हरेक व्यक्ति और उनके प्रतिक्रियों से एक सुर हो जाएँ। आपको उत्तर देने की आवश्यक्ता नहीं है – परमेश्वर उपलब्ध करवाएगा।

विभिन्न बुद्धिमत्ता

बुद्धिमत्ता	बल	शिक्षा
स्मार्ट शब्द	• शब्दों का प्रयोग • सुनना • पढ़ना और लिखना • बोलना • याद रखना	• कहानी बताए या पढ़े • लेख लिखने का उपयोग • विद्यार्थी को विचार विमर्श में शामिल करें
संगीत स्मार्ट	• संगीत • ताल • सुर	• गीतो के द्वारा सत्य सीखें • गीत लिखने को बढ़ावा दें • मिजाज सही करने के लिए संगीत का प्रयोग करें
स्मार्ट तर्क–गणित और नंबर	• नंबर • तर्कपूर्ण • प्रंबधन • समस्या समाधान	• क्या सीखा है निरीक्षण करे • जांच विचार के प्रश्न पूछे • समाधान समस्या हल के लिए विद्यार्थीयों को शामिल करें
तस्वीर–स्मार्ट	• कला • रेखाचित्र • काल्पनिक • तस्वीरों का प्रयोग	• तस्वीरे, पोस्टर, नक्शे, वीडियों का प्रयोग करें • विद्यार्थीयों को अपनी समझ का प्रयोग करने दे • कलाकृति क्रियाओं की योजना बनाएँ
शरीरःस्मार्ट शरीरिक अनुभव	• खेल–कुद • नाच • हस्त कला • अभिनय	• नाटक के साथ कहानियों का अभिनय करे • शरीरिक क्रिया प्रयोग करके खेल नाच करे • जो विद्यार्थीयों ने अध्ययन किया उसका नमूना बनाने दे
लोगः स्मार्ट दूसरो के साथ जुड़ना	• दूसरो के साथ काम करना • वाद–विवाद • दूसरो की जरूरतो की जाग्रति	• मिल–जुल के सीखें (छोटे समूह आदि) • सेवा परियोजना करें • आपस में मिलने और परिचय के समय को शामिल करें।
स्वयं स्मार्टः प्रतिबिंब	• स्वयं की समझ • आत्म निरीक्षण • स्वयं उत्साह • मनन	• शांन्त चिंतन के लिए समय रखें • अध्ययन के लिए आजाद समय रखें • एक–एक से पूछताछ करके सीखें • लेख लिखे, चित्र बनाए
प्राकृति स्मार्ट	• खुले स्थान • प्राकृति वस्तुएँ	• वह क्रियाएं जो प्राकृति से संबधित हो • कहानी बताने के लिए प्राकृतिक स्थानों का प्रयोग करें • अलकार या विचार विमर्श आरम्भ करने वाले के रूप में प्राकृति से वस्तुओ का प्रयोग करें।

बाईबल कहानियों का प्रयोग करते मिसाली बदलाव (दा स्टोरी वेबससाईट से कापी किए गए)

निम्नलिखित कुछ मिसाली बदलाव है जो लोग बाईबल कहानी को सीखने और प्रयोग करते समय सामना कर सकते है, विशेषकर जो कि एक शिक्षित शैली में वचन की तैयारी और सेवकाई के लिए प्रशिक्षण पाए और अनुभव पाएँ है। कुछ चुनौतियों विषय–सूची के कारण है और अन्य जो ढंग हम प्रशिक्षण के लिए प्रयोग करते उसके कारण है। हर कोई इन सभी बदलावों का सामना नहीं करेगा, पर हम में से ज्यादातर कुछ का सामना करेंगे

1. सूचना देने के लिए भाषण की बजाए प्रश्नों का प्रयोग करना।
2. प्रश्नों के साथ प्रश्नों का उत्तर देना।
3. शिक्षिक मुख्य केन्द्र नहीं है; परमेश्वर का वचन मुख्य केन्द्र है।
4. वह जो पहले से रद्द किए या अग्मय है की गहन शिक्षा के लिए द्वार खोलता है।
5. उन प्रश्नों का प्रयोग करने के द्वारा जो सोचने का कारण देते, पवित्र आत्मा के पास सीखाने का स्थान होता है।
6. गैर–परम्परांगत शिक्षा ढाँचे के द्वारा परिणामों को प्राप्त करना।
7. बाईबल कहानी का मुख्य केन्द्र लोगों को अन्य को सिखाने के लिए प्रशिक्षित करता है।
8. लक्ष्यों का प्रयास स्वाभाविक नतीजे बन जाता है।
9. वह जो सिखाए जाते है के द्वारा शिक्षकों को प्रभावित करने की अनुमति देता।
10. सिखाना लिखित सामाग्री या भौतिक यंत्रों से आज़ाद है।
11. लोगो को एक मसीही वातावरण के अन्दर और बाहर सेवा के लिए तैयार करता है।
12. जब लोग खोजने के योग्य है शिक्षक सूचना देने का इंतज़ार करता है।
13. सूचना बताई नहीं जाती, प्रश्न उन्हें स्वयं ढूंढने में सहायता करते है।
14. जोशीली चर्चा होती है, पर विषय–सूची और शिष्टाचार नियंत्रित रहता है।
15. बुद्धिमान भागीदार, सभी को खोजने की अनुमति देत हुए पहले बताने से रूकते है।
16. शिक्षक अच्छा तरह सुनता और उनसे जिनकी वह अगुवाई करने से योग्दान की प्रतिक्रिया पाना सीखते है।
17. कहानी से बाहर सूचना या बाईबल से बाहर सामग्री का प्रयोग ना करना।
18. अशिक्षिक मौखिक संचार के संसार के अन्दर कार्य करना सीखते है।
19. लिखित नोट्स के बिना वचन को तैयार करने और बाँटने के हुनर को प्राप्त करना।
20. वचन और पवित्र आत्मा पर जीवनों के बदलने का कार्य करने के लिए भरोसा करना।
21. पूरे भाग की एकता एक भाग में बने रहने के सामान्य आधार से आती है।
22. कहानी के विचारों पर चर्चा के लिए अरामदायक होना ना कि मानसिक सूची की तैयारी पर।
23. यूवा लोग अन्यों के लिए मूल्यवान आत्मिक सूचना को खोज सकते है।
24. अनपढ़, परमेश्वर के वचन से गहन आत्मिक सच्चाई को सीख सकते है।
25. कहानी में ध्यान दी गई सच्चाई और समावेश की गई, विद्यार्थीयों को लागु करने वाला बनाती है।
26. नए और वचन को जाननेवाले दोनों एक दूसरे के साथ वचन सीखते है।
27. समाजिक–आर्थिक और नैतिक पूर्वधारणाएँ विशेषता खो देती है।
28. लोग जो श्रेष्ठ महसूस करते अन्य में मूल्यों को देखना आरम्भ कर देते जैसा कि परमेश्वर करता है।
29. मनन प्रयत्न अपने आप होने वाला बन जाता है।
30. संक्षिप्त में पाई जाने वाली गहराई सब को चकित करती है।
31. अनपढ़ और अशिक्षित गंभीरता से सोच सकते है।
32. बाईबल कहानी शिक्षक और विद्यार्थी को ज्यादा गहराई से सोचने के लिए उत्तेजित करती है।
33. पवित्र वचन के विषयों को याद करना, याद करने के समान की ही वैध, असान है।
34. शिक्षित प्रकाशित पृष्ठ को देखे बिना भागों को सीखने के योग्य होते है।
35. लोग बाईबल कहानी का प्रयोग करने के द्वारा असानी से सह–अगुवाई कर सकते है।
36. अटल प्रशिक्षण समय–सूची हाजिर हुओ की आवश्यक्ता के अनुसार बदली जा सकती है।
37. शिक्षक सब कुछ जानने वाले श्रेष्ठ की बजाए दिलचस्पी रखने वाले विद्यार्थी के समान कार्य करते है।
38. कहानी द्वारा सिखाएँ लोग विषय सूची को याद रखते और अन्य में बाँटते है।

किडस स्टोरी बार्ड

तस्वीरें काटना:

- पहले तस्वीरों को अच्छी तरह से समतल काटने की बजाए, आस–पास अनुमानित काट लें।
- तब बाहरी रेखा पर अच्छी तरह से काट लें।
- आप एक समय एक कहानी की तस्वीरें या एक बार में सभी काट सकते है।
- तस्वीरों को साफ रखने के लिए स्टोरी बोर्ड को लेने से पहले आप हाथ धो लें।

तस्वीरों को जमा करना

- देखरेख के साथ यह सामग्री लम्बे समय तक रहेगी।
- सभी तस्वीरों को एक किट्ट में रखें
- अगर आप को किट्ट में से तस्वीर निकालनी पड़ती है, तो जितनी शीध्र संभव हो वापस रखें।
- प्लास्टिक थैले या कागज के लिफाफों में इसे रखें
- अंक या किस्म के अनुसार रखें

तैयारी:

- तस्वीरों पर अकेले अभ्यास कर लें, कभी भी बच्चों के सामने नहीं। आप उन्हें हैरान करना चाहते है।
- कहानी की किताब को लें और यह जानने के लिए तस्वीरों को देखें कि बोर्ड पर उन्हें कहाँ लगाना है।
- एक बार जब आपने बोर्ड पर तस्वीरें लगा ली, आरम्भ से अंत तक इसे उतार लें। अगर आप उनको आपकी बाईबल में एक के ऊपर एक करके रखते है, तो आपके पास सबसे ऊपर वह तस्वीर होगी जो आपको पहले चाहिए।

  यीशु बच्चों को आशीषत करता कहानी के साथ प्रदर्शन करें।
- बच्चों के आने से पहले बोर्ड पर पृष्ठभूमि और दृश्यों को रखें। यह उत्साह को पैदा करता है!

  यीशु बच्चों को आशीषत करता कहानी के साथ प्रदर्शन करें
- बच्चों को जब वह कक्षा में आते है तो आपको एक तस्वीर पकड़ने में कभी–कभी सहायता करने दें। उन्हें जब आप बुलाते तो आने के लिए और इसे बोर्ड पर लगाने के लिए तैयार रहने के लिए कहें। यह विशेषकर हानिकारक विद्यार्थीयों के साथ प्रभावी है–वह इसे सही करने के लिए ध्यान से सुनेंगे!

संकेत:

- बोर्ड पर अपने परिप्रेक्ष्य का ध्यान रखें छोटी तस्वीरों को बोर्ड पर ऊँचा रखने के द्वारा आप उन्हें ऐसा बना रहे है जैसा कि वह और ज़्यादा दूर है।

  खोई हुई मेमना के साथ प्रदर्शन करें।
- तस्वीरों को ज्यादा ऊँचा ना रखें, उन्हें सीधा और समतल रखें।

  लोगों की तस्वीरों के साथ प्रर्दशन करें।
- कहानी को यर्थाथ रखने का प्रयास करें।
- अपनी कल्पनाओं का प्रयोग करें। क्रियाशील बनें।

बाईबल कहानियों के स्रोत

इंटरनेशनल मिशन बोर्ड (IMB) www.imb.org
- सर्च लाईन में Storying लिखें

इंटरनेशनल ओरालिटी नेटवर्क www.internationaloralitynetwork.com
- स्रोत
- फेसबुकः इंटरनेशनल ओरालिटी नेटवर्क

स्टीवन जेम्स www.stevenjames.net
- स्रोतः और डाऊनलोड योग्य नोट्स (Book: Creative Storytelling Guide. Standard Pub. 2002.)

किड्स अराऊँड दा वरल्ड www.kidsaroundtheworld.com
- किड्स स्टोरीबोर्ड सैट, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण सामाग्री।
- फेसबुकः किड्स अराऊँड दा वलर्ड; किडस स्टोरी

माईकल नौवली
- पुस्तकः शेपड बाए दा स्टोरी। जौंडरवन 2008

मौखिक रणनीतियां www.oralitystrategies.org
- स्टोरी सैट, वीडियो, लेख
- फेसबुकः मौखिक रणनीतियां

रियल लाईफ मिनिस्ट्री/नैव प्रैस www.rlmchurchtraininganddevelopment.com
- पुस्तक और पाठ्यक्रम
- वाक थ्रू दा बाईबल। स्टोरी थ्रू दा बाईबल। 2011

साधारण कहानी और परमेश्वर की कहानी www.SimplytheStory.com www.gods-story.org
- प्रशिक्षण; स्रोत और डाऊनलोड हैंडबुक

मार्क स्नोडन www.truthsticks.com
- पुस्तकः टरूथ देट स्टिक विद एवरी विलीस। नैवप्रैस। 2015
- फेसबुकः टरूथ स्टिर

स्क्रिपचर इन यूस www.siutraining.org
- मेकिंग डिसाईपल आफ ओरल लर्नर डाऊनलोड करें; ऑनलाईन प्रशिक्षण, स्रोत, लेख

सोमा कम्युनिटिस www.somacommunities.org/soma-school
- प्रशिक्षिण, पाठ्यक्रम

ST4T: www.storyingt4t.ning.com
- प्रशिक्षिण नियमावली और कहानियां विशेषकर बच्चों को शिष्य बनाने के लिए (ST4Kids)

Story4All www.story4all.com
- वीकली पोडकास्टः story4all on Itunes

जॉन वाल्स www.bibletelling.com
- प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम (पुस्तकः दा आर्ट आफ स्टोरीटेलिंग। मूडी पब्लीशर्स। 2003)
- फेसबुकः बाईबल टेल्लिंग।

kids around the world

www.kidsaroundtheworld.com